A Daily News Magazine
इंदौर
गुरुवार, 20 जून, 2024

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 9 अंक 243, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

केरल में प्रियंका, यूपी में राहुल : कांग्रेस का दांव कितना कारगर

इमरान कुरैशी

सियासी तौर पर देश के सबसे अहम सूबे उत्तर प्रदेश में जीत का स्वाद चखने के बाद कांग्रेस पार्टी ने जो राहुल गांधी को वायनाड की सीट छोड़कर राय बरेली की सीट पर ध्यान देने के लिए कहा है उसे अब एक रणनीतिक चाल की तरह देखा जा रहा है। साल 2019 के लोकसभा चुनावों में जीती 52 सीटों के मुकाबले 2024 में लगभग दोगुनी 99 सीटें जीतने का श्रेय राहुल गांधी के 'गेम चेंजिंग' कैंपेन 'भारत जोड़ो यात्रा' और 'न्याय यात्रा' को दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इसकी वजह से पार्टी ने लोगों तक सीधी पहुंच बनाई।

ये सब एक तेज़ तर्रार कैंपेन में तब्दील हो गया जिसमें ये कहा गया था कि संविधान में बदलाव कर दिया जाएगा जिससे दलितों को आरक्षण नहीं मिलेगा। राहुल गांधी के इस कैंपेन के खिलाफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को उतारना पड़ गया।

दूसरे दलों के नेताओं के साथ करीबी संबंध बनाकर इंडिया गठबंधन के लिए आक्रामकता से कैंपेन करने ने भी राहुल के कद में इज़ाफ़ा किया।

जानें माने राजनीतिक टिप्पणीकार आनंद सहाय ने कहा, 'आज राहुल गांधी की कांग्रेस में वो स्थिति हो गई है, जो बीजेपी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की है। आज राहुल गांधी भी उसी आवेग से कोई बात कह सकते हैं जैसे मोदी करते हैं। क्या आपको लगता है कि बीजेपी इसे नकारेगी? राहुल गांधी का भी मोदी जैसा ही प्रभाव है।'

प्रियंका गांधी को चुनावी राजनीति में उतारने का फैसला भी अच्छा माना जा रहा है। इससे गांधी परिवार का दक्षिण भारत से जुड़ाव बना रहेगा जहां केरल, कर्नाटक, तेलंगाना में कांग्रेस मजबूत है और द्रविड़ राजनीति वाले तमिलनाडु में भी अपना आधार बरक़रार रखा है। राजनीतिक विश्लेषक एमजी राधाकृष्णन ने बताया, 'ये प्रियंका गांधी के लिए बेहद आसान रास्ता होने वाला है और जिन्हें इससे परेशानी होने वाली है वो हैं वामपंथी दल, जो पहले ही लोकसभा चुनाव में हार का सामना कर चुके हैं।' लेकिन ये फैसला उत्तर प्रदेश में संगठन को ज़मीनी स्तर से खड़ा करने जैसे बेहद जटिल चुनौती के साथ लिया गया, जहां से केरल की 20 सीटों के मुकाबले 80 लोकसभा की सीटें आती हैं। इस राज्य में मिली जीत ने उत्तर भारत के उन राज्यों में कांग्रेस के लिए रास्ते खोल दिया है, जहां पार्टी अस्तित्व के लिए जूझ रही है।

राजनीतिक विश्लेषक शरत प्रधान ने बताया, 'राहुल गांधी के लिए असली चुनौती 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में पार्टी को तैयार करना है। राहुल के पास परिणाम दिखाने के लिए सिर्फ 3 साल का समय है। ये एक ऐसा प्रदेश है, जहां पर पार्टी ने बार-बार अध्यक्ष बदले हैं जो किसी भी दल की बुरी छवि बनाता है।' जब न्याय यात्रा अपने चरम पर थी उस वक्त शरत प्रधान ने कहा था कि यात्रा भले ही अच्छी हो रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर जनता तक संदेश ले जाने के लिए कोई कार्यकर्ता नहीं है। सिर्फ 'वर्ड ऑफ माउथ' यानी कि सिर्फ बोलकर ही राहुल गांधी दलितों से संवाद कर रहे थे - कि अगर बीजेपी को बड़ा बहुमत आ गया तो वो संविधान बदल देगी। ये गेम चेंजर था।'

आनंद सहाय ने बताया कि 'कांग्रेस के लिए जिस काडर ने काम किया, वो समाजवादी पार्टी (इंडिया गठबंधन की सहयोगी पार्टी) का था। अपने जीवन में पहली बार राहुल गांधी ने ऐसी धमाकेदार एंट्री की है। यूपी में राहुल गांधी के प्रचार को महसूस किया जा सकता था। मैंने वाराणसी में आरएसएस के कुछ लोगों से बात की थी जिन्होंने कहा कि कांग्रेस या समाजवादी पार्टी को वोट देने का उनका मन नहीं है। वो नरेंद्र मोदी को वोट देने की जगह नोटा पर बटन दबा देंगे। लेकिन ये भी देखने वाली बात थी कि वो कह रहे थे कि राहुल गांधी जो कह रहे हैं वो सही है।'

'सहाय ने देश में कांग्रेस पार्टी की निराशाजनक स्थिति की तरफ भी इशारा किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का दक्षिण भारत और पश्चिमी भारत में आधार है, लेकिन राजस्थान को छोड़कर उत्तर भारत या पूर्वी भारत में कहीं नहीं है। मध्य प्रदेश में हिंदुत्व आधारित, सांस्कृतिक क्रांति ने जगह बना ली है, और कांग्रेस बीते 20 सालों से हार रही है।'

हालांकि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने राजस्थान, महाराष्ट्र में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन कर्नाटक जहां पिछले साल कांग्रेस सत्ता में आई थी वहां पार्टी को निराशा हाथ लगी। इस बार यहां पर निंदा करने वाली सिविल सोसायटी ने भी राहुल गांधी को पहली बार अलग नज़रिए से देखा था।

रणनीतिक रूप से राहुल गांधी ने शुरुआत में जातीय जनगणना का मुद्दा उठाया जिसकी आलोचना हुई और कइयों को हैरानी में भी डाला कि क्यों गांधी परिवार का एक शख्स जातिवाद की बात कर रहा है। लेकिन इससे ओबीसी वोट सधे जो उत्तर भारत के राज्यों में कई सालों से क्षेत्रीय पार्टियों के पाले में जाते रहे हैं। सामाजिक धुरी को पार्टी के मैनिफेस्टो के साथ जोड़ने की राहुल की क्षमता ने पार्टी के संभावनाओं को बल दिया। इसके साथ ही राहुल गांधी के प्रचार का फायदा यूपी में सहयोगी दल समाजवादी पार्टी को भी मिला।

शरत प्रधान के अनुसार 'राहुल गांधी के प्रचार के बगैर अखिलेश यादव को कुछ नहीं मिलता। जब बीजेपी की सरकार लोगों के खिलाफ़ बुलडोज़र चला रही थी तब अखिलेश यादव चुप थे। लेकिन राहुल गांधी के सामने एक मुश्किल काम है। अगर कांग्रेस यूपी में बड़ी पार्टी बनकर उभरती है तो ये तलवार की धार पर चलने जैसा हो जाएगा। समाजवादी पार्टी सिकुड़ जाएगी और ये अखिलेश यादव को भी पता है।'

किसी भी राजनीतिक विश्लेषक या टीकाकार ने ये नहीं कहा है कि राहुल गांधी का वायनाड सीट से इस्तीफा देना उनकी बहन प्रियंका गांधी के राजनीतिक सफर में मुश्किलें पैदा करेगा। क्या वायनाड की जनता को ये नहीं लगेगा कि कांग्रेस पार्टी ने पहले राहुल गांधी को और फिर प्रियंका को उतारकर उन्हें हल्के में लिया है?

शरत प्रधान कहते हैं, 'एक तरीके से हां। लेकिन जनता को ये कहने में भी गर्व महसूस होता है कि देश के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार के सदस्य केरल से लड़ रहे हैं। वायनाड कांग्रेस का एक मजबूत गढ़ है। राहुल गांधी की लोकप्रियता सिर्फ वायनाड तक ही सीमित नहीं है केरल में बड़ी संख्या में मलयाली कांग्रेस को वोट देते हैं।' राजनीतिक विश्लेषक एमजी राधाकृष्णन के अनुसार 'देखने वाली बात ये होगी की प्रियंका गांधी की जीत का मार्जिन क्या रहता है।'

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

नालंदा सिर्फ नाम नहीं पहचान है, एक सम्मान है

- **पीएम मोदी बोले- किताबें भले जल जाएं, ज्ञान नहीं मिटता**

यूनिवर्सिटी के नए कैंपस का किया उद्घाटन,सीएम रहे साथ

नालंदा (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को 1749 करोड़ रुपए से बने नालंदा यूनिवर्सिटी के नए कैंपस का उद्घाटन किया। उन्होंने 21 मिनट तक कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण करने के बाद पहले 10 दिनों में ही नालंदा आने का मौका मिला है।

यह मेरा सौभाग्य तो है ही, मैं इसे भारत की विकास यात्रा के एक शुभ संकेत के रूप में देखता हूं। नालंदा केवल एक नाम नहीं है। नालंदा एक पहचान है, एक सम्मान है। नालंदा एक मूल्य है, मंत्र है, गौरव है, गाथा है। नालंदा इस सत्य का उद्घोष है कि आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं, लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं। कार्यक्रम में सीएम नीतिश कुमार ने कहा कि पुरानी सरकार बात नहीं सुनती थी। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी के लिए कई बार उन्होंने अनुरोध किया था।

नीतिश ने मोदी की उंगली देखी, फिर कुछ बात हुई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के दौरे पर थे। राजगीर में उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर देखे और नए कैंपस का उद्घाटन किया। इस मौके पर एक

दिलचस्प वाकया हुआ। मंच पर मुख्यमंत्री नीतिश कुमार अचानक प्रधानमंत्री मोदी का हाथ पकड़कर कुछ देखने लगे। पीएम ने मुस्कुराते हुए उनसे बात की और उनके सवाल का जवाब दिया। ये देखकर प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तैनात एसपीजी के जवान भी उनकी तरफ देखने लगे। मंगलवार को नीतिश कुमार एक बार फिर से अपने पुराने अंदाज में नजर आए थे।

राममंदिर में गोली लगने से जवान की मौत

- माथे पर लगी गोली, परिसर की सुरक्षा में तैनात था

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात जवान की गोली लगने से मौत हो गई। घटना बुधवार सुबह 5.25 बजे की है। जवान का नाम शत्रुघ्न विश्वकर्मा (25) है। सूत्रों ने बताया कि घटना के समय जवान कोटेश्वर मंदिर के सामने बन रहे वीआईपी गेट के पास तैनात था। यहां से राम मंदिर का मुख्य हिस्सा महज 150 मीटर की दूरी पर है। घटना के समय शत्रुघ्न के पास और भी जवान तैनात थे। गोली जवान के सिर में सामने से माथे (ललाट) पर लगी है। साथी सुरक्षाकर्मी तुरंत उसे अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर ट्रामा सेंटर रेफर किया गया।

हादीपोरा में दो आतंकी ढेर, सेना को मिली बड़ी सफलता

- एक जवान घायल,दो दिन पहले बांदीपोरा में मारा गया था कमांडर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच एनकाउंटर जारी है। यहां के हादीपोरा इलाके में दो आतंकी मारे गए हैं, जबकि स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप का एक जवान घायल हुआ है। हादीपोरा में पुलिस और सेना की जॉइंट टीम ने आतंकियों को ढूंढ़ने के लिए एक सर्च ऑपरेशन जारी

किया था। जैसे ही सुरक्षाबल आतंकियों की छिपने की संदिग्ध जगह तक पहुंचे, आतंकियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। इससे पहले सोमवार की सुबह बांदीपोरा में सुरक्षाबलों ने आतंकी कमांडर उमर अकबर लोन उर्फ जाफर को मार गिराया। वो पट्टन का रहने वाला था। इलाके में 2 से 3 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। उनकी तलाश के लिए सेना का ऑपरेशन जारी है। अरागाम के जंगलों में रविवार को फायरिंग की आवाज सुनाई दी। इसके बाद सेना और पुलिस ने सर्चिंग की।

सुप्रभात

कुछ पत्थर

पानी में घुलना मिलना- बिखरना- रेत हो जाना
पसंद करते हैं
कुछ पानी में पड़े -पड़े
अपना नुकीलापन खो देते हैं
कुछ पत्थर आकार में हो कर भी
निराकार बने रहते हैं
कुछ पत्थर कभी पानी में रहते थे
अब चट्टान बनकर पानी से दूर हो चुके हैं
कुछ पत्थर
पत्थर कहलाना पसंद करते हैं
उन्हें रोने- गाने का मर्ज नहीं होता
कुछ होते नहीं पत्थर
मगर उन्हें पत्थर कहो
तो मुस्कुरा देते हैं।

- विष्णु नागर

बीजेपी विधायक से बोले पटनायक ओह,तो आपने मुझे हरा दिया

- कांटाबांजी सीट गंवाई, सीएम माझी समेत पूरे सदन ने खड़े होकर पूर्व मुख्यमंत्री को सम्मान दिया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में नवनिर्वाचित विधायकों का मंगलवार को शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इस दौरान खास नजारा देखने को मिला। पूर्व सीएम व बीजेडी प्रेसीडेंट नवीन पटनायक का सामना भाजपा के लक्ष्मण बाग से हुआ। तभी पटनायक ने बाग से कहा, ओह, आपने मुझे हरा दिया। उनके ये कहते ही वहां खड़े सभी लोग हंसने लगे। नवीन पटनायक ने ओडिशा विधानसभा चुनाव में दो सीटों से चुनाव लड़ा था। इसमें से बोलांगीर जिले की कांटाबांजी सीट पर उन्हें हार सामना करना पड़ा। भाजपा नेता लक्ष्मण बाग ने 16334 वोट से पटनायक को हराया है। बाग को 90876 वोट मिले, वहीं पटनायक को 74532 वोट मिले।

सिकल सेल एनीमिया के उपचार पर रिसर्च को बढ़ाया जाए

- **उप राष्ट्रपति भवन में डिंडोरी की औषधीय वनस्पतियों का हर्बल पार्क स्थापित होगा : उप राष्ट्रपति डॉ. धनखड़**
- **सिकल सेल एनीमिया से बचाव के उपायों के बारे में जनजातीय समुदाय को जागरूक करना जरूरी : राज्यपाल श्री पटेल**

राज्य सरकार सिकल सेल उन्मूलन के लिए प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कहा कि उप राष्ट्रपति भवन में हर्बल पार्क की स्थापना में डिंडोरी का विशेष योगदान होगा। डिंडोरी में जैव विविधिता एवं औषधीय वनस्पति की उपलब्धता को देखते हुए यहां सिकल सेल एनीमिया सहित अन्य बीमारियों के उपचार पर रिसर्च कार्य को तेजी से बढ़ाया जाना चाहिए। जिससे देश और विदेश में डिंडोरी का नाम प्रसिद्ध हो। सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम और जागरूकता के लिए सभी स्तर पर समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं-समाजसेवियों-चिकित्सकों के समन्वित प्रयास से इसे सामाजिक आंदोलन बनाना होगा। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा। उप राष्ट्रपति श्री धनखड़

डिण्डौरी में राज्य स्तरीय कार्यक्रम विश्व सिकल सेल दिवस-2024 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत किया तथा सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन के लिए प्रदेश में संचालित गतिविधियों की जानकारी दी।

उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय डिण्डौरी में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव और उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, पंचायत एवं ग्रामीण तथा श्रम विभाग मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते और उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ की पत्नी श्रीमती सुदेश धनखड़ उपस्थित थीं। उप राष्ट्रपति का जनजातीय कलाकारों ने परम्परागत नृत्य कर स्वागत किया। उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कार्यक्रम स्थल पर पौध-रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए समन्वित प्रयास जारी

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश में जनजातियों की जनसंख्या एक करोड़ 90 लाख है। अब तक लगभग 55 लाख से अधिक व्यक्तियों की जांच की जा चुकी है, इनमें से एक लाख 20 हजार 935 व्यक्ति बीमारी के वाहक हैं अर्थात इनमें सिकल सेल एनीमिया प्रारंभिक स्थिति में है जबकि इस बीमारी के मरीजों की संख्या 18 हजार से अधिक है। यह एक अनुवांशिक रोग है, इससे आने वाली पीढ़ी भी प्रभावित होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने केंद्र के बजट में बीमारी के निवारण एवं अन्य उपायों के लिये 15 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा समन्वित रूप से सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल एनीमिया के संबंध में जागरूकता के लिए जनजातीय समुदाय स्तर पर विशेष प्रयास करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने इस बीमारी से बचाव के प्रारंभिक उपायों पर प्रकाश डाला।

- **श्रीमती द्रोपदी मुर्मू का राष्ट्रपति बनना भारतीय इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा-** उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कहा कि भारतीय सांस्कृतिक और सामाजिक परिवेश में जनजातियों का बहुत अधिक महत्व है। श्रीमती द्रोपदी मुर्मु का राष्ट्रपति बनना भारतीय इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से प्रगति कर रही है। आर्थिक परिदृश्य में ब्राजील, कनाडा, इंग्लेंड और फ्रांस जैसे देशों से भारत आगे निकला है। इस क्रम में जर्मनी और जापान से भी हम आगे निकलेंगे। इसमें जनजातीय समुदाय का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने और देश को सिकल सेल एनीमिया से मुक्ति कराने का संकल्प लिया है।
- **सिकल सेल उन्मूलन का यज्ञ आरंभ हो चुका है-** उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस आशय की घोषणा जुलाई 2023 में शहडोल जिले से की और राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन-2047 का शुभारंभ किया। सिकल सेल उन्मूलन का यज्ञ आरंभ हो चुका है। हम सब को इसमें योगदान देना है। सिकल सेल एनीमिया जैसी अनुवांशिक बीमारी के उन्मूलन के लिए आयुष्मान भारत योजना में आवश्यक सुधार करना शासन की दूर दृष्टि को दर्शाता है। इस बीमारी के उन्मूलन के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। प्रदेश सरकार इस दिशा में देश में अग्रणी है। डिंडोरी एवं आसपास के जिलों में जैव विविधता और औषधीय वनस्पति का खजाना उपलब्ध है। उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कहा कि भारतीय संविधान में जनजातियों के लिए विशेष प्रावधान है। जनजातीय क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में खनिज तथा अन्य राष्ट्रीय खनिज धरोहर उपलब्ध हैं।

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 20 जून 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अबकी दिन ही नहीं रातें भी तप रहीं...

1951 के बाद सबसे भीषण गर्मी, यूपी-बिहार के हाल बेहाल

भीषण गर्मी से तप रहा देश का बड़ा इलाका, कई की गई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रचंड गर्मी से देश का आधा हिस्सा झुलस रहा है। दिन में चिलचिलाती धूप के साथ लू के थपेड़ों ने आम लोगों की मुश्किलें पहले ही बढ़ा रखी हैं। अब तो रातें भी बुरी तरह से तप रही हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, 1951 के बाद इस साल सबसे ज्यादा गर्मी पड़ रही। सबसे ज्यादा प्रभाव उत्तर-पश्चिम भारत के 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सों में दिख रहा। आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल की प्रचंड गर्मी ने देश भर में लाखों लोगों के लिए कष्टकारी परिस्थितियां पैदा कर दी हैं।

उत्तर-पश्चिम भारत के कम से कम 50 फीसदी हिस्सों दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में शायद अब तक की सबसे लम्बी गर्मी पड़ रही है। देश के उत्तर, पूर्व और उत्तर-पश्चिम में पड़ रही यह गर्मी इसलिए बेहद कष्टकारी है, क्योंकि रात के समय भी तापमान असामान्य रूप से बढ़ रहा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के वैज्ञानिक इसे 'गर्म रातें' कह रहे, जिसके गवाह आम लोग बन रहे हैं। वैज्ञानिकों और डॉक्टरों का कहना है कि दिन और रात के समय हाई टेम्प्रेचर से ऐसी परिस्थितियां पैदा हो गई हैं, जो शरीर पर अत्यधिक गर्मी का प्रभाव डालती हैं।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा में कांग्रेस को झटका, एमएलए किरण चौधरी बीजेपी में शामिल

- बोलीं-व्यक्ति सेंट्रिक हुई पार्टी, कोई बराबर आए तो उसे खत्म कर देते हैं

रेवाड़ी/चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के पूर्व सीएम चौधरी बंसीलाल की पुत्रवधू व भिवानी के तोशाम से एमएलए किरण चौधरी और उनकी पूर्व सांसद बेटी श्रुति चौधरी ने बुधवार को दिल्ली जाकर बीजेपी जॉइन कर ली। हरियाणा के पूर्व सीएम व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और सीएम नायब सैनी ने बीजेपी नेताओं के साथ उनका स्वागत किया। इस मौके

पर केंद्रीय मंत्री खट्टर ने कहा, मेरा परिचय बहन किरण जी से उस समय से है जब हम बंसीलाल जी के साथ मिलकर काम करते थे। उनका शरीर कांग्रेस में रहा होगा, लेकिन मन इनका हमेशा बीजेपी में रहा है। सीएम नायब सैनी ने कहा, मैं पार्टी के अध्यक्ष होने के नाते भी किरण चौधरी और श्रुति चौधरी का स्वागत करता हूं। एक विश्वास दिलाता हूं कि प्रदेश और पार्टी का मुखिया होने के नाते किरण और श्रुति चौधरी को बीजेपी में परिवार की तरह मिलाकर हरियाणा को मजबूत करने के लिए काम करेंगे। श्रुति चौधरी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित होकर भाजपा में आई हूं।

तिहाड़ में ही रहेंगे केजरीवाल, नहीं मिली जमानत

- दिल्ली की कोर्ट ने 3 जुलाई तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कथित शराब घोटाले के आरोप में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक बार फिर राउज एवेन्यू कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने सीएम केजरीवाल की न्यायिक हिरासत तीन जुलाई तक के लिए बढ़ा दी है। इससे पहले कोर्ट ने दिल्ली की आबकारी नीति में कथित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में जेल में बंद अरविंद केजरीवाल को जमानत देने से इनकार कर दिया था। बता दें कि पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत तो नहीं दी थी, बल्कि उनकी

न्यायिक हिरासत 19 जून तक बढ़ा दी थी। न्यूज एजेंसी के अनुसार बुधवार को न्यायिक हिरासत खत्म होने पर अरविंद केजरीवाल को तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने सीएम केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 3 जुलाई तक बढ़ा दी। शराब घोटाले के केस की जांच कर रही केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने कोर्ट में दाखिल आरोप पत्र में कहा था कि राजधानी में शराब के व्यापार में निवेश करने की एवज में पंजाब के व्यापारियों से भी रिश्वत ली गई थी। उसने यह भी कहा था कि आप शासित पंजाब के उन व्यापारियों को शराब कारोबार में निवेश नहीं करने दिया गया, जिन्होंने रिश्वत नहीं दी थी।

नई शिक्षा नीति प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का बेहतर शिक्षा की दिशा में एक दूरदर्शी प्रयास है : स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह

कमला नेहरू कन्या उमावि पीटीएम में शामिल हुए स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह

भोपाल (नप्र)। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह बुधवार को शासकीय कमला नेहरू कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भोपाल में 'स्कूल चलें हम अभियान' के तहत अभिभावक - शिक्षक संवाद कार्यक्रम (पीटीएम) में शामिल हुए। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने माँ भारती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर पीटीएम का शुभारंभ किया।

पीटीएम को संबोधित करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि कमला नेहरू विद्यालय सत्र 2025-26 में सीएम राईज विद्यालय करीब 60 करोड़ रुपए की लागत से बनकर तैयार होगा। श्री सिंह ने कहा कि पहले परिजन अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूल में पढ़ाना पसंद करते थे, क्योंकि वह प्राइवेट स्कूल को सरकारी स्कूल से बेहतर समझते थे। लेकिन हमारी पूर्ववर्ती और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तय किया कि प्रदेश के बच्चों को बेहतर से बेहतर शिक्षा देंगे। शासकीय स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर शिक्षा, बेहतर माहौल, अच्छा कैंपस, मोटिवेशन क्लास मिले। हम इसी दिशा में कार्य कर रहे है।

श्री सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का बेहतर शिक्षा को लेकर भविष्य का सपना है। यह इस दिशा में किया गया एक दूरदर्शी प्रयास है, जिसके परिणाम हमें शीघ्र ही दिखाई देंगे। प्रदेश के सीएम राइज स्कूल किसी प्राइवेट स्कूल से कम नहीं होंगे, आधुनिक संसाधन इस सीएम राइज स्कूल में मिले, यह हमारी सरकार ने सुनिश्चित किया। हमारी सरकार ने तय किया है हमारी बेटियाँ12वीं कक्षा तक की पढ़ाई भी करेगी और भविष्य में ब्यूटीशियन बन सके, ऐसा पाठ्यक्रम भी हम तैयार कर रहे हैं। नई शिक्षा नीति में शिक्षा के साथ-साथ अनेक तरह के रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि सीएम राईज स्कूल के पेरेंट्स अब मंच पर आकर अपनी बात रख रहे हैं, यह भी उनके बढ़ते कॉन्फिडेंस को दिखाता है। सीएम राईज स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की प्रोग्रेस कोई रोक नहीं सकता। इस दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने पालकों से अनुरोध किया कि वे पेरेंट्स टीचर मीटिंग (पीटीएम) को महत्व दें और समय-समय पर इसमें जरूर शामिल हों।

कार्यक्रम में स्थानीय विधायक श्री भगवानदास सबनानी, प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरुण शमी सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

बम जल्द ही फट जाएंगे, तुम सब मर जाओगे

एयरपोर्ट के बाद मुंबई के 50 अस्पतालों को उड़ाने की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। जसलोक अस्पताल, रहेजा अस्पताल, सेवन हिल्स अस्पताल, कोहिनूर अस्पताल, केईएम अस्पताल, जेजे अस्पताल और सेंट जॉर्ज अस्पताल सहित मुंबई के 50 से ज्यादा अस्पतालों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकियां मिली हैं। मुंबई पुलिस ने पुष्टि की है कि धमकी भरे ईमेल आईएस नेटवर्क का इस्तेमाल करके भेजे गए थे। पुलिस ने बताया कि धमकी भेजने वाले की पहचान और धमकी का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई के हिंदुजा कॉलेज ऑफ कॉमर्स को भी उड़ाने की धमकी देने वाला एक फर्जी ईमेल संस्थान को मिला है। एएनआई ने पुलिस के हवाले से बताया,स्थानीय पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। मुंबई का वीपी रोड पुलिस स्टेशन इस मामले की जांच कर रहा है। बता दें इससे पहले दिन में चेन्नई, पटना और जयपुर सहित 41 हवाई अड्डों को भी ऐसी ही धमकियां मिलीं थीं, जिसके बाद अधिकारियों को आपातकालीन उपाय करने पड़े कई जगहों की जांच करनी पड़ी जो घंटों तक चली। जांच के बाद पाया गया कि ये धमकियां फर्जी थीं। हवाई अड्डों को प्राप्त ईमेल में लगभग एक जैसा संदेश था, नमस्ते, हवाई अड्डे में विस्फोटक छिपाए गए हैं। बम जल्द ही फट जाएंगे। आप सभी मर जाएंगे। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कई घंटों तक चलाए गए अभियान के

बाद इनमें से प्रत्येक धमकी को अफवाह घोषित कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, ये ई-मेल अपराह्न करीब 12.40 बजे हवाई अड्डों पर एक्सहुम्ड्यू नामक ई-मेल आईडी से प्राप्त हुए। वाराणसी, चेन्नई, पटना, नागपुर, जयपुर, वडोदरा, कोयम्बटूर और जबलपुर हवाई अड्डे उन हवाई अड्डों में शामिल थे, जिन्हें धमकियां मिलीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 4 जून को लोकसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद पहली बार मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में थे।

54 साल के हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी

- पार्टी अध्यक्ष समेत अन्य दिग्गज नेताओं ने दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 19 जून को अपना 54वां जन्मदिन मनाया। उनके इस खास दिन पार्टी मुख्यालय के बाहर जगह– जगह पर राहुल गांधी को बधाई देते हुए पोस्टर और बैनर लगाए गए हैं। वहीं कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं ने सोशल मीडिया पर राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई दी है। इसके साथ ही कई जगहों पर मंदिरों में राहुल गांधी की दीर्घायु के लिए पूजा की जा रही है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर लिखा– राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई।

युवक की पीट-पीटकर हत्या के बाद बवाल

यूपी के अलीगढ़ में पथराव, बाजार बंद, छह घंटे तक दोनों समुदाय आमने-सामने

अलीगढ़ (एजेंसी)। अलीगढ़ में एक घर में पकड़े गए युवक की पीट-पीटकर हत्या के बाद बवाल हो गया। युवक के दूसरे समुदाय का होने के कारण दो समुदाय आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों में पथराव के बाद बाजार बंद हो गए। करीब छह घंटे तक दोनों समुदाय आमने-सामने रहे और पुलिस प्रशासन के अधिकारी माहौल को शांत करने में लगे रहे। अतिसंवेदनशील सब्जी मंडी चौराहा इस दौरान रण क्षेत्र बना रहा। आरोपी पक्ष के इलाके में लोगों ने घर के बाहर पलायन के पोस्टर भी लगा दिए और जमकर नारेबाजी की। मारे गए फरीद के शव को कड़ी सुरक्षा के बीच

पुलिस ने किसी तरह सुपुर्द-ए-खाक कराया। इस दौरान कई मार्गों पर मृतक व पीड़ित पक्ष के लोगों ने जाम लगा दिया। सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया। पीड़ित पक्ष की मांग थी कि गैर इरादतन हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि सड़क से खींचकर गली में ले गए और पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। शहर के अति व्यस्त रहने वाले मामूभांजा इलाके में मंगलवार देर रात कपड़ा व्यापारी के घर में घुसे युवक को चोर के शक में लोगों ने बुरी तरह पीट दिया। सूचना दिए जाने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और युवक को अस्पताल ले गई।

गिरिराज बोले-मुसलमान मुझे भी वोट नहीं करते

सांसद देवेशचंद्र के समर्थन में कहा-उन्होंने दिल की बात कही, मैं 2014 से झेल रहा

सीतामढ़ी (एजेंसी)। सीतामढ़ी से जेडीयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के यादव-मुस्लिम वाले बयान पर बिहार में घमासान छिड़ गया है। इस बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने उनका समर्थन किया है। गिरिराज ने कहा कि देवेश चंद्र ठाकुर ने दिल की बात कह दी है। उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी वर्गों के लिए काम करते हैं, लेकिन मुसलमान मुझे भी वोट नहीं देते हैं। ये 2014 से मैं झेल रहा हूं। दूसरी ओर सीतामढ़ी से पूर्व सांसद अर्जुन राय ने जेडीयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के बयान को पूर्व सांसद अर्जुन राय ने अमर्यादित बताया है। अर्जुन राय ने खेद जताते हुए कहा कि गलती से सीतामढ़ी की जनता ने सांप को दूध पिलाने का काम किया है। वह सांप अब अपना असली रूप दिखाने लगा है। दरअसल, सांसद देवेश चंद्र का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वे यह कहते नजर आ रहे हैं कि अब वे यादव और मुसलमानों के लिए कोई काम नहीं करेंगे। मिली जानकारी के मुताबिक, उन्होंने यह बात सीतामढ़ी में रविवार को आभार यात्रा के दौरान कही थी।

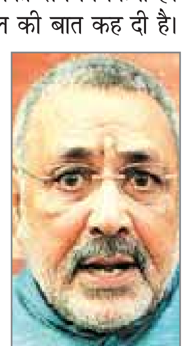

पीएम मोदी जिसे चुनेंगे वही होगा लोकसभा अध्यक्ष

बीजेपी के सहयोगी दलों का भाजपा को पूर्ण समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने सत्ताधारी गठबंधन में आम सहमति बनाने की कोशिश कर रही है। बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं ने अध्यक्ष पद के लिए विभिन्न सहयोगियों से बातचीत की है। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के छोटे से छोटे सहयोगियों से भी चर्चा की गई है। बता दें कि भाजपा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में सबसे बड़ी पार्टी है। सूत्रों के हवाले से लिखा है कि एनडीए गठबंधन के सहयोगियों ने भाजपा द्वारा लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए नामित किए जाने वाले उम्मीदवार को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है। एक सूत्र ने बताया, अध्यक्ष पद उम्मीदवार के लिए सहयोगी दलों से सुझाव मांगे गए हैं। हालांकि, अधिकांश सहयोगी दलों ने किसी खास व्यक्ति को प्राथमिकता या पसंद नहीं दी है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को यह बता दिया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए एकजुट बना रहेगा और लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर जो भी फैसला पीएम मोदी लेंगे वह सभी दलों को मान्य होगा। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने गठबंधन सहयोगियों को यह भी बता दिया है कि वे गठबंधन के किसी एक सहयोगी को उपसभापति का पद देने के लिए इच्छुक हैं।

प्रणब मुखर्जी के बेटे का टीएमसी से हुआ मोहभंग

- खुद की पार्टी पर बोला हमला, कहा- टीएमसी की कार्य संस्कृति ठीक नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे और टीएमसी नेता अभिजीत मुखर्जी जल्द कांग्रेस में वापसी कर सकते हैं। उन्होंने टीएमसी पर गंभीर आरोप भी लगाए हैं। अभिजीत मुखर्जी ने पार्टी की कार्यशैली पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा का टीएमसी की कार्य संस्कृति कांग्रेस से बिल्कुल मेल नहीं खाती है। मैंने सोचा कि अब बहुत हो गया। दिल्ली आने के बाद मैंने कांग्रेस आलाकमान से समय मांगा है। अभिजीत मुखर्जी ने कहा कि अगर कांग्रेस आलाकमान जल्द कांग्रेस ज्वाइन करने को कहेगा तो वह शामिल हो जाएंगे। अभिजीत मुखर्जी ने कहा कि 2019 का चुनाव हारने के बाद कांग्रेस में मुझे एक खास व्यक्ति और ग्रुप ने उन्हें हाशिए पर डाल दिया गया। कुछ लोगों के कारण मैं चुनाव हार गया। इस बारे में खुलकर कुछ नहीं कह पाऊंगा। आलाकमान को इसकी पूरी जानकारी है। अभिजीत ने कहा कि इसी दौरान ममता दीदी ने मुझे बुलाया।

'पापा मैं बस से स्कूल चली जाऊंगी, आप जाइए', फिर 14वीं मंजिल से कूदकर बेटी ने दी जान

इंदौर। इंदौर के अपोलो डीबी सिटी में मंगलवार को 13 वर्षीय छात्रा अंजलि यामयार के इमारत की 14वीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी करने के बाद मंजर हृदय विदारक था। जिस हंसती-खेलती बिटिया को पिता अमोल ने कुछ देर पहले बस स्टाप पर छोड़ा था, अब वह शव बनकर मल्टी के ओपन एरिया की फर्श पर पड़ी थी। उसके स्कूल की किताबें और लंच बाक्स बस्ते के अंदर ही कसमसाते रह गए। जैसे ही पिता को पता चला, वे बदहवास होकर पहुंचे और इस आस में बच्ची को लेकर अस्पताल की ओर दौड़े कि उसकी सांसें लौट आएं। उधर, घर में मां और बड़े भाई आदित्य का बुरा हाल था। सांय-सांय करती एंबुलेंस डीबी अपोलो सिटी पहुंची, जिसमें अस्पताल से कपड़े में लिपटा बिटिया का शव घर लौटा। बदहवास पिता पहाड़ जैसा दुख लिए 12वीं मंजिल स्थित फ्लैट में पहुंचे। वे पत्नी को क्या बताते कि बेटी अब नहीं रही। मां अर्चना बदहवासी में लिफ्ट से नीचे आईं और जैसे ही अर्थी के पास स्ट्रेचर पर बेटी का शव देखा अंजू...अंजू... पुकार कर बिलख पड़ीं। कभी बेटी के चेहरे को दुलारतीं, तो कभी उसे गले लगातीं। पति इस दुख के क्षण में पत्नी को संभालते रहे, लेकिन उनकी आंखें भी समंदर हो चली थीं।

मां ने यूनिफॉर्म पहनाकर किया था तैयार, पिता ने गालों पर किया दुलार– स्कूल का पहला दिन और 13 वर्षीय अंजलि अपने नए-नवेले स्कूल जाने के लिए पिता के साथ खुशी-खुशी बस स्टॉप पर आई। विशाखापट्टनम से मार्च में ट्रांसफर होकर इंदौर आए पिता अमोल यामयार भी खुश थे कि बिटिया का आज इंदौर में स्कूल का पहला दिन है। मां ने उसे यूनिफॉर्म पहनाकर तैयार किया और पिता बेटी को हाईराइज बिल्डिंग डीबी अपोलो सिटी में 12वीं मंजिल पर स्थित अपने घर से लिफ्ट के जरिए नीचे आए। लिफ्ट में पिता ने बेटी के गालों पर दुलार भी किया।

पिता प्रसन्न थे कि बिटिया को स्कूल में नए दोस्त और नया माहौल मिलेगा। मगर खुशी के इस माहौल के बीच 13 वर्षीय अंजलि के मन में न जाने क्या उथलपुथल मची थी। बस स्टॉप पर कुछ देर तक बस का इंतजार करने के बाद उसने पिता को भरोसा दिया कि मैं चली जाऊंगी, अब आप घर जाइए। पिता ने भी बिटिया को प्यार से बाय-बाय कहा और घर लौट आए। यही वह क्षण था, जब अंजलि के मन में चल रही उथलपुथल हावी हुई और वह पिता के जाते ही पास में स्थित दूसरी इमारत के अंदर चली गई। इसके बाद लिफ्ट से 14वीं मंजिल पर पहुंच गई। वहां स्कूल बैग रखकर नीचे कूद गई और पलभर में सबकुछ खत्म हो गया। यह सवाल अब हमेशा के लिए अंजलि के साथ चला गया कि आखिर अंतिम क्षणों में उसके मन में क्या चल रहा था।

कार धोने गया तो लड़की गिरी हुई दिखी– मैं हर रोज की तरह पार्किंग में कार धोने गया था। डक्ट में मुझे लड़की गिरी हुई दिखाई दी। वह कितनी देर पहले गिरी थी, यह बताना मुश्किल है। ओपेरा वन बिल्डिंग के रहवासी कुणाल अपने बच्चे को स्कूल छोड़ने जा रहे थे, तब मैंने उन्हें बताया। बच्ची स्कूल ड्रेस में थी। कान व सिर से खून निकल रहा था। हमने चौकीदार के माध्यम से पुलिस को सूचना दी। - बलिराम, कार साफ करने वाला व्यक्ति

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताई दहशत की दास्तां– मैं सुबह 8.28 बजे अपने बेटे युवांश को स्कूल छोड़ने के लिए चौथी मंजिल से नीचे गया था। तभी पार्किंग में कार धोने वाले बलिराम ने मुझे बताया कि पार्किंग के पास डक्ट में एक लड़की गिरी हुई है। दूर से देखा तो ऐसा लगा, जैसे वह सोई हुई है। पास जाकर देखा तो लड़की के सिर के आसपास खून फैला था। फिर हम भागकर गए और वॉचमैन को बुलाया। इसके बाद अन्य लोग भी वहां पर पहुंचे।

अग्रवाल समाज महिला प्रकोष्ठ की पूल पार्टी, गर्मी में फुहारों के बीच मस्ती

इंदौर। महिला प्रकोष्ठ, अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति द्वारा अपने 'लव यू जिंदगी' कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को खंडवा रोड स्थित एक रिसोर्ट पर नन्हीं गुड़िया थीम पर एक दिलचस्प स्पर्धा का आयोजन भी तम्बोला एवं पूल पार्टी के साथ किया गया। इस स्पर्धा में शामिल करीब 110 सखियों ने स्वयं को नन्हीं गुड़िया के परिधान और परिवेश में सज्जित कर प्रस्तुत किया, वहीं बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को फोकस करते हुए आकर्षक स्लोगन भी प्रस्तुत किए। प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रतिभा मित्तल ने बताया कि लव यू जिंदगी श्रृंखला का यह छठा आयोजन था, जिसमें सखियों ने 'जब बेटी उठ खड़ी होती है, तभी तो विजय बड़ी होती है' थीम पर आकर्षक स्लोगन की स्पर्धा में भाग लिया।

क्यूट बार्बीज स्पर्धा में नीलम देसाई, राधिका अग्रवाल, तिलोत्तमा बंसल, रेणु अग्रवाल, काजल, रेखा वाधवानी, अभिलाषा एवं सुरेन्द्र पाहुजा क्रमशः विजेता घोषित किए गए। इसी तरह बेस्ट स्लोगन के लिए मोना बंसल और श्वेता मोदी के स्लोगन प्रथम एवं द्वितीय क्रम के लिए चुने गए। विभिन्न गेम्स के दौरान रेखा, भारती, स्वाति, सपना, करिश्मा, महिमा, सरिता, अदिति एवं संगीता विजेता रहे। सभी विजेता सखियों को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इन सभी स्पर्धाओं की तैयारियों में निकिता, तिलोत्तम एवं गरिमा गुप्ता का सहयोग उल्लेखनीय रहा। सखियों ने पूल पार्टी और तम्बोला के बीच मस्ती और धमाल करते हुए इन सभी स्पर्धाओं में उत्साहपूर्वक अपनी भागीदारी दर्ज कराई।

इंदौर में 23 जून तक आ सकता है मानसून

इंदौर। इंदौर में 24 घंटों बाद दिन और रात के तापमान में 1 डिग्री गिरावट आई है। मंगलवार को दिन भर धूप खिले रहने के साथ हवाओं का दौर बना रहा। मौसम वैज्ञानिकों ने बुधवार शाम गरज-चमक और आंधी के साथ हल्की बारिश के आसार जताए हैं।

सोमवार को दिन का तापमान 38.4 (+3) डिग्री और रात का तापमान 25.1 (+2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। मंगलवार को मौसम साफ रहा और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को दिन और रात का तापमान 1 डिग्री घटकर 39.6 (+2) डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 2 डिग्री रहा।

मौसम वैज्ञानिक एचएल तापड़िया के मुताबिक इंदौर में अभी एक दो दिन गर्मी बनी रहेगी। हवाओं की गति के अनुसार 23-24 जून के आसपास मानसून आने की संभावना है।

एक हफ्ते का तापमान

तारीख	दिन का तापमान	रात का तापमान
12 जून	35.8 (−2)	23.8 (−1)
13 जून	37.6 (0)	25.1 (0)
14 जून	36.8 (−2)	25.4 (+1)
15 जून	36.2 (+1)	24.3 (0)
16 जून	36.3 (+1)	25.6 (+2)
17 जून	38.4(+3)	26.1(+2)
18 जून	37.6 (+2)	25(+1)

मौसम विभाग के मुताबिक मानसून महाराष्ट्र में स्थिर है। अगले 2 से 3 दिन में यह आगे बढ़ सकता है। इसके बाद ही मध्यप्रदेश में आएगा।

फिलहाल, वेस्टर्न डिस्टबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से मध्यप्रदेश के ज्यादातर हिस्से में आंधी, बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी हुई है।

कलेक्टर का निर्देश...फेक NCERT किताबों की होगी जांच

इंदौर के मार्केट में चल रहा खेल

कमीशनखोरी के चक्कर में पेरेंट्स-स्टूडेंट्स को बेची जा रही किताबें

इंदौर। इंदौर में बिक रही एनसीईआरटी की नकली किताबों के मामले में कलेक्टर आशीष सिंह ने जांच बैठा दी है। जिला पंचायत सीईओ को इसकी जिम्मेदारी सौंपी है। मामले में उन्होंने सख्त से सख्त कार्रवाई की बात कही है। बता दें कालाबाजारी करने वालों ने डूप्लीकेट किताब प्रिंट करवाकर मार्केट में डंप की है। मोटे कमीशन के चक्कर में दुकानदार इन किताबों को बेच रहे हैं। पूरे मामले का खुलासा दैनिक भास्कर की पड़ताल में हुआ था।

ये बोले कलेक्टर– कलेक्टर आशीष सिंह का कहना है कि संज्ञान में मामला आया है। जिला पंचायत सीईओ को इसके लिए अधिकृत किया है। शिक्षा विभाग के माध्यम से इसकी जांच कराएंगे। मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। शिकायत ये है कि गलत तरीके से प्रिंट करके एनसीईआरटी की किताबें मार्केट में आई है। ऑफिशियल तरीके से किताब मार्केट में नहीं आई है। मामले में जांच कर रहे हैं।

समझिए कैसे करें असली और नकली किताब की पहचान– आप जो भी किताब खरीद रहे हैं, उसके 8 पन्ने लगातार चेक करें। आपको हर दूसरे पन्ने पर एनसीईआरटी का वाटर मार्क नजर आ जाएगा। लेकिन अगर बुक-मार्क मिसिंग है तो आपकी किताब पाइरेटेड यानी नकली है। हर किताब की क्वालिटी चेक करें। पन्ने फटे हुए तो नहीं हैं, उसकी प्रिंट क्वालिटी कैसी है, ग्राफिक्स या चित्र स्पष्ट हैं या नहीं। अगर इनमें से कहीं भी कमी लगे तो आपकी किताब नकली है।

सिली हुई या दोबारा बाइंड की गईं किताबें भी नहीं खरीदें। अगर मार्केट में एनसीईआरटी की किताबों की कमी है, तो थोड़ा इंतजार कर लें। वहीं किसी भी दुकानदार को प्रिंटेड रेट से अधिक पर किताबें बेचने की अनुमति नहीं है।

नकली किताबों से ये है नुकसान– नकली किताबें बेचकर स्टूडेंट्स के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। स्टूडेंट्स को पढ़ने के लिए अधूरा सिलेबस मिलता है। नकली किताबों को छापने के लिए घटिया क्वालिटी के कागज और स्याही का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए ये स्टूडेंट्स की सेहत और आंखों के लिए हानिकारक है। अच्छी तरह से चेक किए बिना नकली किताब खरीदने से ब्लैक मार्केट और पाइरेसी को बढ़ावा मिलता है।

डुप्लीकेट किताब बेचने पर मोटा कमीशन– एनसीईआरटी की डूप्लीकेट किताबों के कागज और प्रिंट लो क्वालिटी के होते हैं, इसलिए ये काफी सस्ती बन जाती हैं। एनसीईआरटी की किताबों की डुप्लिकेटिंग से करोड़ों का मुनाफा होता है। दुकानदारों को भी डूप्लीकेट किताबें बेचने पर मोटा कमीशन दिया जाता है। कमीशन के चक्कर में दुकानदार विरोध भी नहीं करते और पेरेंट्स-स्टूडेंट्स को नकली किताबें थमा देते हैं।

इंदौर संभाग के जिलों की सीमाएं बदलेंगी, प्रस्तावों को दिया जा रहा अंतिम रुप

इंदौर। बैठक में संभागायुक्त दीपक सिंह के अलावा जिलों के कलेक्टर मौजूद थे। बैठक में इंदौर संभाग में गंगा संवर्धन अभियान के तहत जारी कामों पर चर्चा हुई। श्रीवास्तव ने कहा कि बारिश नहीं हो, तब तक कुएं,तालाबों के गहरीकरण और साफ-सफाई का अभियान जारी रहे। इंदौर संभाग के जिलों की सीमाएं अब बदलेंगी। इसके लिए गठित कमेटी को जिलों से प्रस्ताव आना शुरू हो चुके है। यह बात इंदौर संभाग की बैठक में इंदौर संभाग प्रभारी व अपर मुख्य सचिव मलय श्रीवास्तव ने कही। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने इंदौर संभाग का चयन पायलेट प्रोजेक्ट के रुप में किया है। भविष्य में प्रदेश की सीमाओं में बदलाव किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक स्तर पर इसके लिए प्रस्ताव तैयार हो चुके है। जनप्रतिनिधियों से चर्चा के बाद उसे अंतिम रुप दिया जाएगा। बैठक में संभागायुक्त दीपक सिंह के अलावा जिलों के कलेक्टर व अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में इंदौर संभाग में गंगा संवर्धन अभियान के तहत जारी कामों पर चर्चा हुई। श्रीवास्तव ने कहा कि बारिश नहीं हो, तब तक कुएं,तालाबों के गहरीकरण और साफ-सफाई का अभियान जारी रहे। इसके अलावा वृक्षारोपण अभियान पर भी जोर दें। बैठक में अवैध खनन पर चर्चा हुई। अफसरों से कहा गया कि नदी के किनारों और भंडारण वाले स्थानों पर कैमरे लगाए जाए। इसके अलावा निगरानी चौकियां भी बने। अवैध खनन करने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाए।

इन्दौर में प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स का सम्मान समारोह 1 जुलाई को, वरिष्ठ समाजसेवी करेंगे सम्मान

20 जून तक करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

इंदौर। मध्यप्रदेश अग्रसेन सभा के तत्वावधान में समाज के प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स का सम्मान समारोह 1 जुलाई को किया जाएगा। ये आयोजन राजीव गांधी चौराहा स्थित मीरा गार्डन पर आयोजित होगा। सम्मान समारोह के लिए स्टूडेंट्स के पंजीयन की प्रक्रिया जारी है। विभिन्न कलाओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके प्रतिभावान स्टूडेंट्स को गोल्ड, सिल्वर व कांस्य पदक से वरिष्ठ समाजसेवियों द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

मध्यप्रदेश अग्रसेन सभा संरक्षक गोविंद गोयल, विष्णु बिंदल, प्रदेश अध्यक्ष पूनम गर्ग ने बताया कि अग्रवाल समाज के बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी (एमपी बोर्ड एवं सीबीएसई) की परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 25 स्टूडेंट्स का चयन कर मेडल के साथ अग्र प्रतिभा सम्मान पत्र से नवाजा जाएगा। इसके साथ आईपीएस, आईएस, यूपीएससी की परीक्षाओं में उपलब्धि पाने वाले स्टूडेंट्स को भी अग्र प्रतिभा सम्मान दिया जाएगा।

संस्था कार्यालय पर संपर्क करें

कार्यक्रम में माधव अग्रवाल, वैदिक बसंल, सलोनी अग्रवाल, गुंजिता अग्रवाल जैसे युवा अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने पर मुख्य अतिथियों द्वारा प्रतीक चिह्न व प्रशस्ति पत्र भेंट कर उनका भी सम्मान किया जाएगा। समारोह के दौरान वे भी प्रतिभाएं सम्मानित की जाएगी जो अपनी प्रतिभा का लोहा देश-विदेश में मनवा चुकी हैं। पेरेंट्स अपने मेधावी स्टूडेंट्स का पंजीयन 20 जून तक संस्था कार्यालय पर संपर्क कर करा सकते है या फिर विष्णु अग्रवाल, पदम जैन, के.पी अग्रवाल, मनीष खजांची, पुष्पा ऐरन, किरण तायल, चंचल अग्रवाल, संध्या सुरेश गुप्ता, कुलभूषण मित्तल, महावीर गर्ग, अजय अग्रवाल, दिनेश गोयल, गयाप्रसाद तायल से भी संपर्क कर पंजीयन कर सकते है।

'मेरी मां बीमार है, इलाज नहीं मिला तो मर जाएगी, प्लीज घर चलो', साथ ले जाकर रास्ते में डॉक्टर को लूट लिया

इंदौर। इंदौर के द्वारकापुरी क्षेत्र में एक डॉक्टर को लूटने का मामला सामने आया है। डॉक्टर ने बताया कि क्लीनिक बंद करते समय एक व्यक्ति घबराए हुए उसके पास पहुंचा और मां की तबीयत खराब होने की बात बताकर साथ चलने को कहा। रास्ते में उसके दो दोस्त और मिल गए और तीनों ने मारपीट कर रुपये और मोबाइल छीन लिए।

मां की बीमारी का बहाना बनाकर बदमाशों ने एक डॉक्टर को लूट लिया। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया और और दो फरार हैं। हालांकि डॉक्टर और आरोपित लूट को लेकर अलग-अलग बात कर रहे हैं।

घटना द्वारकापुरी थाना अंतर्गत दस्तूर गार्डन के समीप की है। डॉक्टर अली असगर नईम (वीर सावरकर नगर) द्वारा लूट की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उन्होंने पुलिस को बताया माणिकबाग पर उनका क्लीनिक है। सोमवार रात क्लीनिक बंद कर घर जा रहे थे। अचानक एक व्यक्ति घबराते हुए आया और कहा उसकी मां की तबीयत खराब है। डॉक्टर ने घर जाने से मना किया लेकिन उसने हाथ जोड़ते हुए कहा इलाज नहीं मिला तो मां की मौत हो जाएगी। अस्पताल ले जाने के रुपये भी नहीं है। डॉक्टर अली उसके साथ चल दिए। आगे जाकर दो युवक मिले, जिन्होंने डाक्टर कि पिटाई की और रुपये व मोबाइल छीन लिया।

आरोपितों ने जबरदस्ती मोबाइल का लाक खुलवाया और ई-वॉलेट से रुपये निकालने लगे। तभी कुछ लोग आ गए और आरोपित भाग गए। उनकी बगैर नंबर की बाइक भी मौके पर छूट गई। पुलिस ने इंजिन व चेचिस नंबर के आधार पर वाहन स्वामी की जानकारी निकाली और आरोपित हर्ष उर्फ भय्यू भंवर निवासी साईं बाबा नगर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित ने पूछताछ में बताया डॉक्टर से डेटिंग एप पर दोस्ती हुई थी। डॉक्टर को उन्होंने मिलने बुलाया था। पुलिस लूट के साथ मामले की इस एंगल से भी जांच कर रही है। यह आशंका भी जताई जा रही है कि आरोपित गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

चेंबर का ढक्कन खुला था, युवती गिरी, महापौर ने तुरंत लिया एक्शन

इंदौर। कनाड़िया रोड स्थित चेंबर पर ढक्कन नहीं लगा होने से अदिति चौहान नामक युवती घायल हो गई थी। अब महापौर पुष्यमित्र भार्गव के निर्देश पर आज आयुक्त शिवम् वर्मा ने दुर्घटना के संबंध में त्वरित कार्रवाई की। आयुक्त वर्मा द्वारा इस गंभीर घटना को देखते हुए चेंबर के रखरखाव के लिए जिम्मेदार एजेन्सी मेसर्स रैमकी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा.लि. हैदराबाद पर एक लाख रुपए की पेनल्टी अधिरोपित की गई है। इसके साथ ही, वार्ड की उपयंत्री सुस्मिता कर्णिक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है की उक्त घटना व लापरवाही के लिए क्यों ना उन पर रू. 5000 का दंड लगाया जाए। इसके लिए स्पष्टीकरण मांगा गया है, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। गौरतलब है कि दिनांक 18 जून को मानवता नगर निवासी अदिति चौहान रात में चेंबर पर ढक्कन नहीं होने एवं अंधेरा होने के कारण अपने वाहन सहित चेंबर में गिर गईं थी। इस दुर्घटना के परिणामस्वरूप,अदिति चौहान के कंधे की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया था।

शहर में सभी जगह जांच के निर्देश

आयुक्त ने नागरिकों की सुरक्षा की दृष्टि से समय-समय पर चेंबर ढक्कन को तत्काल रिपेयर करने, कहीं पर कार्य के लिए गड्ढा करना हो तो वहां पर आवश्यक बैरिकेटिंग करके रखने, साइनेज लगाने आदि के निर्देश दिए हैं।

संपादकीय

मोहन सरकार का सही फैसला

प्रदेश की राजधानी भोपाल के हरे-भरे इलाके शिवाजी नगर में बड़ी मेहनत से लगे 29 हजार पेड़ काटकर वहां मंत्रियों और विधायकों के लिए नए बंगले बनाने की योजना को मोहन यादव सरकार ने भारी जन विरोध के बाद निरस्त कर दिया है। सरकार का यह निर्णय उसकी संवेदनशीलता का परिचायक है और स्वागतेय है। वैसे भी भोपाल में पहले की तुलना में हरियाली काफी कम बची है, यदि शिवाजी नगर के पेड़ काटकर सीमेंट का नया जंगल बसाया जाता तो शहर में बाकी पर्यावरण भी इस तथा कथित विकास की भेंट चढ़ जाता। प्रदेश के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयर्गीय ने सोमवार को एक्स पर जैसे ही लोगों को इस फैसले की जानकारी दी शहर के पर्यावरण प्रेमी खुशी से झूम उठे। मंत्री विजयवर्गीय ने लिखा कि नए भोपाल के पुनर्घनत्वीकरण योजना के पर्यावरण संरक्षण एवं क्षेत्र में मौजूदा वृक्षों को देखते हुए प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया है। साथ ही अन्य वैकल्पिक स्थानों के परीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। इस सम्बन्ध में योजना की नोडल मप्र गृह निर्माण एवं अधोसरंचना मंडल ने भी निरस्ती आदेश जारी कर दिए हैं। गौरतलब है कि प्रस्तावित योजना के तहत शिवाजी नगर के सरकारी मकानों को तोड़कर मंत्रियों और विधायकों के लिए बंगले और फ्लैट बनाए जाएंगे। यहां कुल 2,267 सरकारी बंगलों और मकानों को तोड़ने का प्लान था। इसके बाद मंत्रियों के लिए 30 बंगले, 16 फ्लैट और 230 विधायकों के फ्लैट के साथ 3480 सरकारी अफसरों के बंगले और मकान बनाने की योजना थी। इसके अलावा शहर के माता मंदिर से जवाहर चौक तक बनी बुलेवर्ड स्ट्रीट को एक तरफ शिवाजी नगर और दूसरी तरफ श्यामला हिल्स से जोड़ने का भी प्लान था। पूरे प्रोजेक्ट में कुल 297 एकड़ जमीन पर 2378 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट में डेवलपर को निर्माण लागत के बदले में 63 एकड़ के लैंड पार्सल दिए जाने थे। इस लैंड पार्सल पर वह रेसिडेंशियल व कमर्शियल डेवलपमेंट कर सकता था। हाउसिंग बोर्ड ने पहले इस योजना का प्रेजेंटेशन नगरीय विकास एवं आवास मंत्री विजयवर्गीय को दिया था। बाद में इसे मुख्यरमंत्री के सामने प्रस्तुत किया जाना था। जैसे ही शहर के प्रमुख अखबार में यह खबर छपी, हड़कंप मच गया। सवाल उठा कि एक तरफ सरकार पर्यावरण बचाने और पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करने में पैसा और ऊर्जा खर्च कर रही है, दूसरी तरफ राजधानी के हरे भरे इलाके को उजाड़कर मंत्रियों और विधायकों के लिए नए बंगले और आवास बनाना चाहती है। यह पूरी योजना ही दिमागी दिवालिएपन की निशानी थी। दस साल पहले भी स्मार्ट सिटी के नाम पर शिवाजी नगर को उजाड़ने का प्लान बना था, जो लोगों के भारी विरोध के बाद शिवराज सरकार को वापस लेना पड़ा था। इस बार योजना के विरोध में भोपालवासी सड़कों पर उतर आए थे। महिलाओंने 'चिपको आंदोलन' शुरू कर दिया था। पर्यावरणप्रेमियों ने कैंडल मार्च निकाले। इस मुद्दे ने राजनीतिक रंग भी ले लिया था। इसकी वजह से भी सरकार को झुकना पड़ा। कई विधायकों ने भी कहा कि वह पेड़ों की बलि की कीमत पर बने आवासों में नहीं रहना चाहेंगे। इस योजना पर सवाल कई कोणों से उठ रहे थे। पहला तो यह कि नए बंगलों की मांग किन मंत्रियों और विधायको ने की थी। भोपाल में पहले ही से मंत्रियों और विधायकों के लिए बंगले और आवास मौजूद हैं। इनमें से कई पर तो अवैध कब्जे हैं या फिर जो रह रहे थे, उन्होंने खाली नहीं किए हैं। जाहिर है कि इस योजना का असल उद्देश्य बिल्डरों से मिलकर पैसे का खेल करना था। इसके लिए 29 हजार पेड़ों की बलि चढ़ाने में भी संकोच नहीं था।

सहायक नदियों के प्रति सरोकार की जरूरत

हर साल हिमालय से लेकर मैदानों तक भारी जल सैलाब से अपार जन-धन की हानि हो रही है। बारिश के पानी को रोकने की पारंपरिक शैली को आधुनिक विकास ने रौंद डाला है। जहां तालाब, जौहड़ जैसी जल संरचनाएं होती थीं, वहां सिंचाई और पेयजल के अलावा भूजल का भंडार भी पोषित होता था। अब उन स्थानों पर बहुमंजिली इमारतें, खनन, सीमेंटेड संरचनाओं ने पूरे जल क्षेत्र की जलवायु पर विपरीत प्रभाव डाल दिया है। भूजल बहुत नीचे चला गया। इन चुनौतियों का सामना करते हुए आज भी भारत के हजारों गांवों में लोग अपने पारंपरिक प्रबंधन के अनुसार जल की व्यवस्था करते हैं जिससे स्वदेशी ज्ञान और प्रौद्योगिकी से विवेकपूर्ण जल उपयोग को बढ़ावा मिलता है। कुछ सक्रिय समाजसेवियों, पर्यावरणविदों और पानीदार समाज ने मिलकर ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए हैं जहां सूखी, छोटी नदियां फिर से बहने लगी हैं। यह तभी संभव हो पाया है जब स्थानीय समाज के साथ मिलकर नदियों के जल की पूर्व स्थिति और सूखने के कारणों की पड़ताल करके जल वापसी के उपाय पर संवाद हो सका है।

नजरिया

सुरेश भाई

लेखक 'उत्तराखण्ड नदी बचाओ अभियान' से भी जुड़े हैं।

छोटी-छोटी नदियों से बनी गंगा 2550 किलोमीटर, ब्रह्मपुत्र और सिंधु क्रमशः 916 और 1114 किलोमीटर लंबी हैं। छोटी नदियां अनेक बड़ी नदियों के जल-बहाव को नियंत्रित करती हैं। लगभग सभी बड़ी नदियों के उद्गम ग्लेशियरों से हैं, लेकिन इनके निचले बहाव क्षेत्र में जंगल, तराई, मैदान और बीहड़ क्षेत्रों के बीच से छोटी-छोटी नदियां बड़ी नदियों में मिल रही हैं। छोटी नदियां पारिस्थितिकी तंत्र के कायाकल्प, जल और खाद्य सुरक्षा, आजीविका और समान सामाजिक आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

यमुना भारत की बड़ी नदी है जो इलाहाबाद में गंगा में मिल जाती है। यमुना में भी टौंस,हिंडन,चंबल, बेतवा आदि मिलती हैं। रामगंगा, घाघरा, गंडक, कोसी, महानंदा, सोन आदि गंगा की प्रमुख सहायक नदियां हैं। चंबल और बेतवा उप सहायक हैं। पद्मा और ब्रह्मपुत्र बांग्लादेश से निकलती हैं। चंबल में बनास, सिंध, बेतवा, केन मिलती हैं। सोन नदी में जोहिला, गोपद, रिहंद, कन्हार, उत्तरी कोयल मिलती हैं। नर्मदा में अमरावती, मुखी, तवा, बांगर मिलती हैं। गोदावरी में पैनगंगा, वर्धा, बनगंगा, इंद्रावती, साबरी, मंजीरा और कृष्णा में कोमना, तुंगभद्रा, घाटप्रभा, मालप्रभा, मुसी, मनेरू आदि मिलती हैं। कावेरी की सहायक नदियां हरंगी, हेमवती, काविनी, भवानी, अर्कावती, लक्ष्मणतीर्थ, नोट्याल आदि हैं।छोटी नदियां भारत में बड़ी संख्या में हैं जो बड़ी नदियों के पोषक के रूप में मानी जाती हैं। छोटी नदियां बड़ी नदियों के प्रवाह को बढ़ाने के साथ-साथ भूजल पुनर्भरण को सक्षम बनाती हैं। मिट्टी की नमी, जैव-विविधता में सुधार करती हैं। सूखे और बाढ़ का सामना करने में मदद करती हैं, लेकिन देश में सूख रही छोटी नदियों का कायाकल्प समुदाय के बिना संभव नहीं है। गौरतलब है कि इन सहायक और छोटी-छोटी नदियों में निरंतर घटती जलराशि चिंता का विषय है। इसका कारण है कि इन नदियों के जल-ग्रहण क्षेत्र में वर्षों से जैव-विविधता का व्यवसायिक दोहन बड़े पैमाने पर हुआ है। खनन और अंधाधुंध भूजल का दोहन हो रहा है। मानवीय जीवन शैली ने नदियों को बेपानी बना दिया है। नदियों की जमीन और जलराशि में अतिक्रमण, शोषण, प्रदूषण के मौजूदा खतरे ने नदियों के पानी को स्नान लायक भी नहीं छोडा है।

ग्लेशियरों के सूखने से हिमपोषित नदियां भी सूख रही हैं। 45 डिग्री से भी अधिक तापमान के कारण छोटी नदियों का पानी लगभग सूख गया है। अप्रैल-जून की भीषण गर्मी से बुंदेलखंड की बहुत सारी नदियां सूख गई हैं जहां पानी के लिए हाहाकार है। पहाड़ी इलाकों में भी देखा जा सकता है जहां गंगा-जमुना की छोटी नदियां और जलस्रोत सूख गए हैं वहां भी लोग पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। ऐसे हालात पैदा होने के कुछ दिनों बाद होने वाली अनियमित और अनियंत्रित बारिश नदियों के जल-ग्रहण क्षेत्र में अपर्याप्त वनस्पतियों के अभाव में बाढ़ जैसी हालत पैदा करती हैं। हर साल हिमालय से लेकर मैदानों तक भारी जल सैलाब से अपार जन-धन की हानि हो रही है। बारिश के पानी को रोकने की पारंपरिक शैली को आधुनिक विकास ने रौंद डाला है। जहां तालाब, जौहड जैसी जल संरचनाएं होती थीं, वहां सिंचाई और पेयजल के अलावा भूजल का भंडार भी पोषित होता था। अब उन स्थानों पर बहुमंजिली इमारतें, खनन, सीमेंटेड संरचनाओं ने पूरे जल क्षेत्र की जलवायु पर विपरीत प्रभाव डाल दिया है। भूजल बहुत नीचे चला गया।

इन चुनौतियों का सामना करते हुए आज भी भारत के हजारों गांवों में लोग अपने पारंपरिक प्रबंधन के अनुसार जल की व्यवस्था करते हैं जिससे स्वदेशी ज्ञान और प्रौद्योगिकी से विवेकपूर्ण जल उपयोग को बढ़ावा मिलता है। कुछ सक्रिय समाजसेवियों, पर्यावरणविदों और पानीदार समाज ने मिलकर ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए हैं जहां सूखी, छोटी नदियां फिर से बहने लगी हैं। यह तभी संभव हो पाया है जब स्थानीय समाज के साथ मिलकर नदियों के जल की पूर्व स्थिति और सूखने के कारणों की पड़ताल करके जल वापसी के उपाय पर संवाद हो सका है। कई स्थानों पर उदाहरण है कि लोगों ने सूखती छोटी नदियों के क्षेत्र का सामाजिक और पर्यावरणीय नक्शा तैयार करके एक पानीदार समाज का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

अलवर में 'तरुण भारत संघ' एक उदाहरण है जिन्होंने सूखी नदियों को जिंदा कर दिया है। लोग वहां जाकर नदियों के पुनर्जीवन के सामाजिक और पर्यावरणीय तरीके सीख रहे हैं। बुंदेलखंड में 'परमार्थ समाजसेवी संस्थान' ने छोटी नदियों के पुनर्जीवन के लिए जोरदार अभियान चला रखा है। उन्होंने अब तक विलुप्त होती बछेड़ी नदी, कनेरा नदी, बरगी नदी, खूडर नदी, घुरारी नदी के पुनर्जीवन के लिए स्थानीय राज-समाज के साथ मिलकर महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं जो काफी सफल होते दिखाई दे रहे हैं। यहां का समाज अपनी नदियों को बचाने के लिए जागरूक है।

इस सीख को आगे बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश के खजुराहो में इसी साल 'जल जन जोड़ो अभियान' और 'परमार्थ समाजसेवी संस्थान' द्वारा आयोजित एक संवाद में 15 राज्यों से आए 50 नदियों के प्रतिनिधियों ने निर्णय लिया कि 51 नदियों के पुनर्जीवन हेतु यात्रा का आयोजन किया जाएगा। पानी के काम में लगे राजेंद्र सिंह की अगुवाई में देश भर के जल विशेषज्ञों ने मांग की कि केन्द्र सरकार नदियों के लिए एक स्पष्ट 'नदी नीति' बनाये जिसकी मांग लंबे समय से उठाई जा रही है। नदियों पर काम करने वाले सभी लोग यह मानते हैं कि छोटी नदियों के जीवित रहने से समुदाय की खाद्य सुरक्षा, उनका सम्मानजनक जीवन और उनके आर्थिक विकास का संरक्षण होता है। इसके साथ ही वे बड़ी नदियों के प्रवाह को बढ़ाने, भूजल का पुनर्भरण करने, जमीन की उपजाऊ क्षमता को बढ़ाने में भी मददगार होती हैं।जलवायु परिवर्तन का सीधा संबंध छोटी नदियों से है। यदि हम छोटी नदियों को जीवित कर लेंगे तो जलवायु परिवर्तन का खतरा कम हो जायेगा, लेकिन छोटी नदियों के पुनर्जीवन का काम समुदाय की अगुवाई के बिना संभव नहीं है। इस अभियान के राष्ट्रीय संयोजक संजय सिंह ने कहा कि नदियों को पुनर्जीवित करने हेतु निकाली जाने वाली यात्राओं के पहले यह जरूरी है कि संबंधित नदी के बारे में सारे आंकड़े एकत्रित करने के बाद समुदाय के साथ मिलकर संवाद किया जाए। प्रोफेसर विभूति राय कहते हैं कि 20 वर्षों में नदियां सूख जायेंगी। यदि पारंपरिक जल सुरक्षा के उपाय पर ध्यान नहीं दिया गया तो मानव जीवन पर संकट बढ़ जायेगा। नदियों के रिचार्ज का जब तक कोई सामान्य समाधान नहीं होगा तो नदियों को बचाना कठिन होगा।

देश के जल विशेषज्ञों की चिंता है कि जल संरक्षण हो या नदी पुनर्जीवन, सभी पर सरकारें पूरे देश के लिए एक जैसी योजना बनाती हैं। इसलिए यह काम धरातल पर नहीं दिखाई देता। यदि छोटी नदियों को पुनर्जीवित करना है तो हर क्षेत्र की जलवायु के अनुसार अलग-अलग नियोजन की आवश्यकता है। सामाजिक कार्यकर्ता राकेश कटल कहते हैं कि नदियों को बचाने की आपातकालीन स्थिति है। इसलिए देशभर में नदियों के पुनर्जीवन के लिए चिंतित समाज और पर्यावरणविद् आगे आकर अपनी एक-एक नदी को पुनर्जीवित करने लिए कदम बढ़ाएं। (सप्रेस)

सामयिक

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारत में लैंगिक असमानता की बढ़ती खाई

विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़ों ने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा किया है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है? निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है? लगातार महिलाओं की दोयम दर्जा की स्थिति का बना रहना नीति-नियंताओं के लिये आत्ममंथन का मौका हैं। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर महिला असमानता के दंश विद्यमान रहना बड़ी चुनौती है।

लैंगिक अंतर सूचकांक में पिछले साल भारत 127वें स्थान पर था, जो 2022 में 135वें स्थान से 1.4 प्रतिशत अंक और आठ पायदान ऊपर था। लेकिन इस वर्ष फिर दो पायदान ऊपर चढ़ा है। सूचकांक में भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश को 99वें, चीन को 106वें, नेपाल को 117वें, श्रीलंका को 122वें, भूटान को 124वें और पाकिस्तान को 145वें स्थान पर रखा गया है। आइसलैंड (93.5 फीसदी) फिर से पहले स्थान पर है और डेढ़ दशक से सूचकांक में सबसे आगे है। शीर्ष 10 में शेष नौ अर्थव्यवस्थाओं में से आठ ने अपने अंतर का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा पाट लिया है। निश्चित तौर पर किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं। जिसकी एक वजह समाज में पुरुष प्रधानता की सोच भी है। जिसके चलते यह आभास होता है कि आधी दुनिया के कल्याण के लिये बनी योजनाएं महज घोषणाओं तथा फाइलों तक सिमट कर रह जाती हैं।

भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता की स्थितियों का बना रहना विडम्बनापूर्ण हैं। भारत में रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के स्वर तो बहुत सुनने को मिलते हैं, महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार भी पुरुषों के बराबर दिया गया है, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही है? हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं? जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर-सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे।

महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज भी महिला असमानता की स्थितियां बनी हुई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा। क्योंकि भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। भारत में महिला रोजगार को लेकर चिंताजनक स्थितियां हैं।

सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। रोजगार या नौकरी का जो क्षेत्र स्त्रियों के सशक्तिकरण का सबसे बड़ा जरिया रहा है, उसमें इनकी भागीदारी का अनुपात बेहद चिंताजनक हालात में पहुंच चुका है। यों जब भी किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट 'टाइम टू केयर' में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों?

नरेन्द्र मोदी की पहल पर निश्चित ही महिलाओं पर लगा दोयम दर्जा का लेबल हट रहा है। हिंसा एवं अत्याचार की घटनाओं में भी कमी आ रही है। बड़ी संख्या में छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां पढ़-लिखकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे उन क्षेत्रों में जा रही हैं, जहां उनके जाने की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। वे टैक्सी, बस, ट्रक से लेकर जेट तक चला-उड़ा रही हैं। सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा कर रही है। अपने दम पर व्यवसायी बन रही हैं। होटलों की मालिक हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लाखों रुपये की नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू कर रही हैं। वे विदेशों में पढ़कर नौकरी नहीं, अपने गांव का सुधार करना चाहती हैं। अब सिर्फ अध्यापिका, नर्स, बैंकों की नौकरी, डॉक्टर आदि बनना ही लड़कियों के क्षेत्र नहीं रहे, वे अन्य क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। स्त्री शक्ति के प्रति सम्मान भावना ही नहीं, समानता, सह-अस्तित्व एवं सौहार्द की भावना जागे, तभी उनके प्रति हो रहे अपराधों में कमी आ सकेगी और लैंगिक असमानता को दूर किया जा सकेगा।

चुनाव

केदार शर्मा

लोकतंत्र के ये मनमौजी मतदाता

बात उन दिनों की है जब बिजली नहीं हुआ करती थी। जेठ की तपती दुपहरी में किसी राजदरबार में कोई सौदागर हाथ से हवा करने वाली पंखी बेचने आया। उसने कहा-'राजन् यह हजारों साल चलने वाली पंखी है और इसकी कीमत भी हजारों में है।' राजा ने एक पंखी खरीद ली परंतु वह दूसरे दिन ही टूट गई।सौदागर को ढूँढकर दरबार में पेश किया गया। सौदागर ने सफाई दी-'राजन् पंखी इसलिए टूटी क्योंकि आपके हवा करने का तरीका सही नहीं था। सही तरीका यह था कि पंखी को चेहरे के सामने स्थिर रखकर गर्दन और चेहरे को दाँए-बाँए जोर से हिलाया जाए।जितनी जोर से गर्दन हिलेगी उतनी ही बढ़िया हवा आएगी और पंखी हजारों साल चलेगी सो अलग।

यही हाल मतदान नहीं करने वाले लोगों का रहा। सारा तंत्र हिलने के बाद भी कुछ मतदातागण (जिनको हिलना था) टस से मस नहीं हुए। खूब नारे लगे,नुक्कड़ नाटक हुए,स्वीप कार्यक्रम चलाया गया। पर नत्थू जैसों के जूं तक नहीं रेंगी। बोला-'कौन इस तपती दुपहरी में घर से निकले। शादी में जाएँगे, मौसर में जीमेंगे,बारात में जाएँगे, नाचेंगे, गाएंगे, घूमेंगे,फिरेंगे,पर वोट देने नहीं जाएंगे, और क्या ?... सो नतीजा वही ढाक के तीन पात। कहीं साठ तो कहीं सत्तर तो कहीं ये प्रतिशत और लुढकता दिखाई दिया।

अब उम्मीदवार और पार्टियां विधवा विलाप कर रहे हैं-कोई कह रहा है, हो न हो इन वोट नहीं देने वालों का वोट हमारी ही झोली में जाने से रह गया हो? ये बचे हुए नत्थू भी वोट दे देते तो हो न हो हमें बहुमत मिल जाता। मगर इन नत्थूओं का करें तो क्या करें ? ये तो दुनियां के सबसे बड़े लोकतंत्र के लाड़ले सुकुमार जैसे है। वोट देना ऐच्छिक है, अनिवार्य नहीं है।इनके दी गई यह सुविधा ही लोकतंत्र की दुविधा हो गई है। इसी सुविधा का ये फायदा उठाते हैं,छुट्टी मनाते है,पर वोट देने की दुविधा नहीं उठाते हैं। जहां कर्तव्य की बात आती है तो 'हम भले और हमारा परिवार भला' की नीति

अपनाते हैं और इसीलिए वोट देने नहीं जाते हैं। ये जानते हैं रेवड़िया मिलेंगी तो सबको मिलेंगी। नागरिक अधिकार सबके बराबर रहेंगे। इनकी स्वार्थपरता इनको कहती है कि वोट तो नेताओं के और पार्टियों के लाभ-हानि का मामला है। मैं क्यों अपना समय खराब करुं ? ये वे ही लोग हैं जो या तो कानून के प्रभाव से काम करते हैं या अभाव के दबाव में आकर लोभवश काम करते हैं परंतु ये स्वभाव से काम करने वालों में से नहीं हैं।इतने वर्षो के बाद भी इनको लोकतंत्र से लगाव नहीं है। लोकतंत्र में यही तो मजे हैं कि कहीं-कहीं गधे-घोड़े सब बराबर हो जाते हैं तो कहीं-कहीं गधों-गधों में ही रात दिन का फर्क आ जाता है। अब बुद्धिजीवी बजाते रहें 'अपनी ढपली अपना राग 'कि भाई! मतदान अनिवार्य करने पर विचार करो। कब तक भैंसों के आगे स्वीप कार्यक्रम की बीन बजाते ही रहोगे। पंखी के आगे गर्दन हिलाने के बजाए गर्दन के आगे हाथ हिलाकर पंखी करने कीआदत डालने दो। वोट डलवाने के लिए इनके आगे या तो चारा डालो या फिर कानून का भय दिखाओ। कम से सबसे वोट तो डलवाओ।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

नीट में चिट

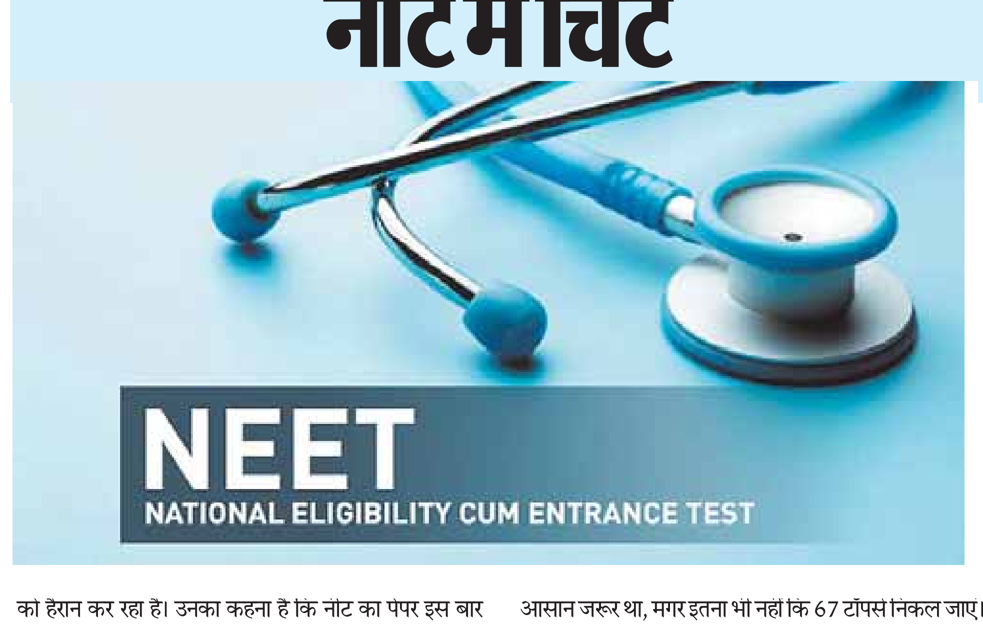

नीट यूजी परीक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने माना कि परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई है। असल में माँ गंगा के अलावा कुछ भी पवित्र नहीं हैं। ऐसा भोलाराम मानते हैं। नीट यूजी 2024 का रिजल्ट अचानक पांच जून को जारी हुआ था।इसके बाद से ही एनटीए पर आरोपों की झड़ी लगी है। आरोप लगने से क्या होता है जब आरोप को मानना ही नहीं है। जब कोई मानेगा तब न कुछ गलत कहा जाएगा। सच लुका-छिपी खेलता है। इस खेल का मेल नहीं है। भोलाराम बड़ी -बड़ी नौटंकी को पकड़ लेते हैं। लेकिन एजेंसियां सरकारी दकियानूसी में जकड़ी हैं। भोलाराम के नीट यूजी परीक्षा की सुचिता को लेकर कई सवाल हैं। ज्यादातर परीक्षा में स्कैम होने की जांच को आंच लगजाता है। भगवान भास्कर टेम्प्रेचर बढ़ाकर पकौड़े तल रहे हैं।

भोलाराम को अपने जासूसी से अपच है। जिम्मेदार को कैसे यह बातें पच रहीं हैं। एक ही सेंटर से 6 टॉपर का मसला भी छात्रों को हैरान कर रहा है। उनका कहना है कि नीट का पेपर इस बार आसान जरूर था, मगर इतना भी नहीं कि 67 टॉपर्स निकल जाए। ऊपर से एक ही सेंटर के 6 टॉपर हैरान करने वाले हैं, जबकि यह सेंटर हर स्टूडेंट का होमटाउन नहीं है। हमारे बाकि छात्र राम भरोसे हैं। इस बार तो रामभरोसे बहुमत भी नहीं है। छात्रों के मन में दहशत है। ऐसा डर कि कई छात्रों ने तो डॉक्टर बनने का सपना ही छोड़ देने की बात कहने लगे हैं। लेकिन क्यों? आखिर ऐसा क्यों हुआ है? यह यक्ष प्रश्न बन कर रह गए हैं। कठिन सवाल परीक्षा में बनाया जा रहा है कि आसान। भोलाराम के जमाने में तो ऐसा नहीं था। वरना वह भी आज प्रसिद्ध दिल के डॉक्टर होते। मोबाइलयुगीन बच्चे बड़े अच्छे हैं। कच्छे संभालने की उम्र उम्र में मोबाइल संभाल रहे हैं। रील देखकर रील को रियल लाइफ समझ रहे हैं। संसाधन का उपयोग कि दुरूपयोग कर रहे हैं। अभिभावक को पता नहीं है। जबरदस्ती का ज्ञान रील में धकेल रहे हैं।

प्राइवेट कॉलेज की फीस 1.5-2 करोड़ रुपये तक जाती है, तो माध्यम वर्गीय परिवार नहीं दे सकता इसलिए बार -बार नीट देता है। अगर ऐसा वास्तव में होगा तो कितना भयावह है।यह कैसा सिस्टम है, क्या तैयारी है? मगर ऐसी खबरों से भावी डॉक्टर तनाव में रहेगा। कई छात्रों का सपना बर्बाद हुआ। ऐसी-तैसी कर परीक्षा फंसी।नीट में चिट,चोरी में फंसी सीट। ऐसा रहा तो झोलाछाप डॉक्टर तैयार हो जाएंगे और बीमार मारे जाएंगे। भोलाराम के मन में ऑपरेशन का नाम ही सुन कर दिल दहल जा रहा है। ऐसे सीट खरीदी डॉक्टर को भगवान तो नहीं कह सकेंगे। भविष्य में वह जरूर साक्षात् यमराज से भेंट करा सकता है। चेत गए तो नीट में चिट का खेल खत्म वरना यमराज का ट्रीट।

समाज

ऋतुराज बुड़ावनवाला

(वरिष्ठ पत्रकार और जैन समाज के पदाधिकारी)

अहिंसा का पाठ सिर्फ ईद पर ही क्यों?

बकरा ईद पर बकरों को कटने से बचाने और अहिंसा का पाठ पढ़ाने का सालाना आयोजन किया जाता है। अहिंसा की सीख देने वाले और जैन समाज की अगुवाई करने वाले नेता नुमा समाजसेवी दया, करुणा और जीव दया के नाम पर भाषणबाजी करते हैं। वे यह काम सिर्फ अपनी वाहवाही के लिए करते हैं। उसके बाद सालभर इस दिशा में उनकी कोई गतिविधि नजर नहीं आती। यदि वास्तव में ये नेता अहिंसा को रोकना चाहते हैं, तो उन्हें सिर्फ बकरा ईद का रास्ता नहीं देखना चाहिए।

ये साबित भी हो गया कि धनबल, बाहुबल या भाषणबाजी से हिंसा को नहीं रोका जा सकता। यदि हम वास्तव में जीवों की रक्षा करना चाहते हैं, तो हमें मांसाहार का सेवन करने वालों की सोच को बदलना होगा। इन लोगों के मन में दया करुणा के भाव पैदा करना होंगे। अगर यह भाव पैदा करने में सफल रहे तो ही हम जीवों को अभय दान दिलाने में भी कामयाब हो सकते हैं और जीव हिंसा को रोकना भी आसान होगा। जैन समाज के अनेक संत अपनी विहार यात्रा के दौरान जेल में बंद कैदियों को सद्विचार सुनाकर बुराइयों से बचने की प्रेरणा देकर उनका हृदय परिवर्तन कर उन्हें सही मार्ग पर लाने का प्रयास करते हैं। अपने विचारों से उनके हृदय को झकझोर देते हैं। चातुर्मास का उद्देश्य भी यही होता है कि संतों की वाणी को सुनकर हृदय में प्रेम दया और करुणा के भाव जागृत हो। लोग मान अभिमान से बचे। लोगों के मन मस्तिष्क को बदलकर ही हम अहिंसा की भावना को हृदय में बैठाकर ही जीवों को अभयदान दिलाया जा सकता है। अगर हृदय परिवर्तन हो गया तो वे एक दिन तो क्या ताउम्र मांसाहार का उपभोग नहीं करेंगे।

कालांतर में देखा गया है कि मालव केसरी प्रसिद्ध वक्ता सौभाग्यमल महाराज विहार और चातुर्मास काल में अपने धर्म स्थान के अलावा चौराहों तथा मोहल्लों में जाकर प्रवचन देते थे। जिनकी वाणी से प्रभावित होकर अनेक गैर जैन लोग भरी सभा में ही खड़े होकर अभक्ष्य के सेवन के त्याग-पच्चखाण ग्रहण करते थे। जैन समाज के आचार्य नानेश (नानालाल जी महाराज साहब) ने एक समाज के लोगों को प्रेरणा देकर उनका हृदय परिवर्तन कर मांसाहार और नशे से मुक्ति दिलाते हुए 'धर्मपाल जैन' नाम से एक संगठन खड़ा किया तथा उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए सामाजिक सेवा गतिविधियों में शामिल किया था। वाणी से निकला उपदेश जब हृदय पर चोट पहुंचाता है, तब मुंह के स्वाद के लिए पशुओं की हत्या कर मांसाहार का सेवन करने वाले उसे त्याग देते हैं।

धर्मपुर जैन मंदिर (दिल्ली) से जुड़े जैन समाज के लोगों ने बकरा ईद पर कुर्बानी से बचाने के लिए 11 लाख में 127 बकरों को खरीदकर बकरा शाला में भिजवा दिया। ये लोग मुस्लिमों की तरह बकरे खरीदने बाजार गए थे। ये भी जीव दया का एक उदाहरण है। मात्र पैसों के बल पर बकरा ईद एवं पर्यूषण के दिनों में हिंसा को रोकने की पहल करने वाला जैन समाज साल के बाकी दिनों में अहिंसा की बात करने से क्यों मुंह मोड़ लेता हैं। अहिंसा, करुणा, जीवदया के नाम पर इस तरह का दिखावा आखिर क्यों और किसके लिए? किसी के त्यौहार मनाने के विशेष दिन अहिंसा, करुणा, जीवदया के वेग में बहने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। जैन धर्मावलंबी जन्म से ही अहिंसा के आगोश में रहे हैं। हमसे चींटी भी मर जाती हैं तो हम विचलित हो उठते हैं।

हमारी यही अहिंसक विचारधारा दूसरे धर्मावलंबियों को भी अहिंसक बनाने के लिए प्रेरित करती है। इसके लिए हम लाखों रुपए खर्च करने को तत्पर रहते हैं। जबकि पशुओं को मौत देकर स्वाद का कारोबार करने वाले मांसाहारी अपने खान-पान को धर्म से जोड़कर धर्म की आड़ में अपने स्वाद के लिए कभी ईद पर बकरे काटते हैं, कभी दुर्गा मां या भैरव बाबा के सामने बकरे और मुर्गे की बली चढ़ाते हैं, कहीं अपने स्वाद के लिए मछली का भोग लगाया जाता हैं! पर उसे बंद कैसे किया जा सकता है! नाम पालन और मक़सद हत्या के लिएऑफिशियल स्लाटर हाउस तक खोल दिए गए। गली-गली में खुले नान वेज रेस्टॉरेंट, मौत का कारोबार नहीं तो और क्या है! मौत से प्यार और उसका कारोबार इसलिए क्योंकि मौत हमारी नहीं है।अपने स्वाद के वशीभूत मूक प्राणियों की हत्या को बलपूर्वक धर्म का सहारा दे रखा है। सरकार का कथनी और करनी का अंतर कभी भी मूक प्राणियों की हत्या से निजात नहीं दिला सकती।

सरकारी नीतियों के चलते स्वाद के लिए हत्या करने वाले सालाना 30 हजार करोड़ के इस व्यापार को रोकने की ताकत किसी में नहीं है। देश की 70 प्रतिशत से अधिक जातियों में जहां मांसाहार का चलन है, वहां इसे रोकने की बात करना बेमानी है। कुर्बानी देकर बकरा ईद मनाने वाला मुस्लिम समुदाय तो घोषित रूप से मांसाहारी है। किंतु हिंदू समुदाय की अधिकांश जातियां जो बारह मास मुस्लिमों की तरह मांसाहार का सेवन करने के लिए अनेक प्रकार के प्राणियों की गर्दन उड़ाती हैं, क्या वह हिंसा की श्रेणी से बाहर है? जो तीज-त्योहार, पार्टियों, शादियों पर तथा चाहे जब मुर्गा-मुर्गियों, मछलियों, बकरे-बकरियों, सुअरों,भैंस, पाड़ों गौमाता जैसे अनेक चौपायों के साथ ही असंख्य परिंदो की हत्या कर अपने मुंह का जायका बदलते रहती हैं। क्या अहिंसा से ओत-प्रोत जैन समाज इसको रोकने में सक्षम है!

जिनको इस तरह की हत्या को रोकना चाहिए वो ही जिम्मेदारी का निर्वाह करने की बजाय मुर्गी पालन, मछली पालन, बकरी पालन, पोल्ट्री फार्म चलाने के लिए मदद करने को खड़े रहते है। असंख्य बूचड़खाने सरकार की नियत और नीतियों के चलते दिन-रात हजारों चौपायों को काटने में लगे हुए हैं। अहिंसा के प्रवाह में बहने वाले हमारे इस तरह के प्रयासों से आपसी सामंजस्य पर आघात होता हैं, जिसका खामियाजा हमारे पैदल विहारी जैन संत-सतियों को अनूप मंडल जैसे संगठनों तथा सड़कों पर दौड़ते वाहनों के कृत्यों का शिकार होना पड़ता है। कालांतर मैं हुई अनेकों ऐसी घटनाएं सभी को ज्ञात है जो मेरे विचारों को पुख्ता करती है। हम अहिंसावादी हैं, किंतु अहिंसा का पालन हमें अपने घर में करना चाहिए। अन्य समाजों पर अहिंसा थोपने का हमें कोई अधिकार नहीं। हम अहिंसा के वेग में जहां दुश्मनी के बीज बो रहे हैं, वही लाखों-करोड़ों रुपए इस पर बेजा खर्च कर रहे हैं और बेवकूफ बन रहे है।

इससे कुछ हासिल होने वाला नहीं है। उल्टे हमारी इन जातियों से दूरियां और दुश्मनी बन रही है। जिस देश में मुर्गी पालन, मछली पालन, बकरी पालन, पोल्ट्री फार्म चलाने के लिए भारी तादाद में सरकारी मशीनरी नित नए प्रयोग और मदद करती रहती हैं उस देश में नॉनवेज के उपभोग को रोकने की बात करना बेमानी है। हमारी अपनी ही जैन समाज की अहिंसा की बुनियाद इसी स्वाद के वशीभूत स्वयं अंदर ही अंदर खोखली होती जा रही है उसे ही हम मजबूती प्रदान कर दें तो वह हमारे जैन समाज की आने वाली पीढ़ी को अहिंसा वादी बनाए रखने के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।

स्मरण

शिवप्रकाश

लेखक-भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं

सुशासन के प्रतीक - छत्रपति शिवाजी महाराज

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत के उपलक्ष्य में आयोजित 'धन्यवाद भारत कार्यक्रम' के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने छत्रपति शिवाजी महाराज को स्मरण करते हुए कहा कि 'कुछ ही दिनों में देश छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्यारोहण की 350 वीं वर्षगांठ मनाएगा, उनका जीवन ध्येय पथ पर बढ़ने की प्रेरणा देता है'। छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक ज्येष्ठ शुक्ल त्र्योदशी विक्रम संवत् 1731 को रायगढ़ में हुआ था। पुर्तगाली एवं ब्रिटिशों सहित अनेकों विदेशी लेखकों ने छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना विश्व के महानतम सेनापति नेपोलियन, सीजर, सिकन्दर के साथ करते हुए उनकी वीरता, साहस, प्रशासनिक कुशलता एवं युद्ध शैली की प्रशंसा की है ।

16 फरवरी 1630 ईस्वी को शिवनेरी किले में शिवाजी महाराज का जन्म शाहजी भोंसले एवं माता जीजाबाई के परिवार में हुआ । उनके जन्म के समय परिस्थितियां कैसी थी इसका वर्णन समर्थ गुरुरामदास महाराज ने अपने 12 वर्ष के भारत भ्रमण के पश्चात् इस प्रकार किया 'या भूमंडलाचे ढायी, धर्मरक्षा ऐसा नाही' इस समय इस भूमंडल पर धर्मरक्षक कोई नहीं है । सम्पूर्ण देश में कोई भी मंदिर सुरक्षित नहीं है सामान्य जनता मुगलों के अत्याचार से कराह रही है, किसी भी नदी का जल पवित्र नहीं है जिससे अभिषेक किया जा सके । इस विकट परिस्थिति में छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने रणकौशल एवं बुद्धिकौशल से स्वराज की स्थापना की । उनके कुशल प्रशासन को देखने के बाद पुनः स्वंय समर्थ रामदास महाराज ने कहा कि 'आचारशील,विचारशील, न्यायशील,धर्मशील, सर्वज्ञ सुशील जाणता राजा' (जाणता अर्थात् सदैव जागरूक)। किसी भी कार्य की सफलता का आधार नेतृत्वकर्ता के सहयोगी कैसे हैं, इस पर निर्भर करता है। शिवाजी महाराज ने सहयाद्रिमें निवास करने वाले सामान्य गरीब, किसान, युवकों में स्वराज की प्रेरणा जगायी । समाज के सामान्य वर्ग से निकले इन्हीं योद्धाओं ने अपने जीवन की बाजी लगाकर स्वराज स्थापना का श्रेष्ठतम कार्य किया । औरंगजेब अपनी सेना के एक-एक सेनापति से तुलना करते हुए शिवाजी महारज के सेनापतियों की विशेषता का वर्णन करते हुए कहता है कि 'वे झुकते नहीं, रुकते नहीं, थकते नहीं और बिकते भी नहीं' ।छत्रपति शिवाजी महाराज का शासन लोक कल्याण एव पारदर्शिता से युक्त था। अपने वित्त प्रबंधन को लेकर वे सदैव सजग थे । अपने मंत्रालयों की समीक्षा करते समय उन्होंने अपने लेखपाल से पूछ लिया कि कलतक का हिसाब दैनंदनी में चढ़ा अथवा नहीं, नकारात्मक उत्तर होने पर लापरवाही के लिए कठोर दंड भी दिया । लगान के उचित संग्रह में लापरवाही पर देश कुलकर्णी आपाजी से जुर्माना भी लिया एवं पद मुक्त भी किया। भ्रष्टाचार विहीन शासन छत्रपति शिवाजी महाराज के शासन का वैशिष्ट्य था । भ्रष्टाचार मुक्त शासन के लिए उन्होंने रिश्वत लेने पर अपने सौतेले मामा मोहिते को भी कारागार में डाल दिया था। 13 मई 1671 के अपने पत्र में वे लिखते हैं कि अगर आप जनता को तकलीफ देंगे, कार्य सम्पादन में रिश्वत मागेंगे तो जनता को लगेगा कि इससे तो मुगलों का शासन ही अच्छा था ।

छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने स्वराज संचालन के लिए अष्ट प्रधान शासन प्रणाली की व्यवस्था दी थी। छत्रपति शिवाजी महाराज जहाँ एक दूरदर्शी योद्धा थे, वहीं

वह एक कुशल प्रशासक भी थे। स्वदेशी जलपोत निर्माण के लिए मुंबई के पास कल्याण एवं भिवंडी में उनके द्वारा स्थापित जलपोत निर्माण कारखाना, व्यापार एवं सुरक्षा के प्रति उनकी दृष्टि की ओर इंगित करता है। अंग्रेजों से तोप निर्माण की तकनीक न मिलने पर उन्होंने फ्रांस के सहयोग से पुरन्दर किले पर तोपखाना स्थापित कराया। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का यह मंत्र वर्तमान की सरकार का मन्त्र भी बना है ।भूमि का मापन, पैदावार का मूल्यांकन, आपदा में होने वाली हानि के मूल्यांकन की व्यवस्था शिवाजी महाराज ने उस समय की थी। सिंचाई के लिए बाँध, तालाबों, कुएँ, बावड़ी एवं जलाशयों का निर्माण उनकी दूरदर्शिता को प्रकट करते हैं । स्वस्थ भूमि, स्वस्थ उत्पाद, स्वस्थ पर्यावरण के लिए फसलों में विविधता, फलदार वृक्षों को लगवाना उनकी कृषि एवं पर्यावरण के प्रति दृष्टि को प्रकट करते है ।

महिलाओं के प्रति उनके हृदय में सम्मान एवं महिलाओं पर कुदृष्टि डालने पर कठोर दंड उनके शासन की व्यवस्था थी। मुस्लिम महिला गोहरबानू के प्रति उनके उदगार काश मेरी माँ भी इतनी सुन्दर होती, सखोजी गायकवाड़ को दंड उनकी न्यायप्रियता को प्रकट करते हैं। स्वराज के हित को प्रथम रखते हुए उन्होंने व्यापारिक सम्बन्ध सभी से रखे थे। व्यापार के लिए मध्य एशिया के देशों तक उन्होंने सम्बंध बनाये थे। उनमें मस्कट के इमाम भी प्रमुख थे। उन्होंने अंधविश्वाश एवं कुरीतियों को तोड़ते हुए वैज्ञानिक दृष्टि को अपने राज्य संचालन का आधार बनाया । उनके शासन में वृद्ध, बीमार एवं बच्चों को छोड़कर अन्य किसी के लिए भी मुफ्त सुविधा की व्यवस्था नहीं थी ।

छत्रपति शिवाजी महाराज की शासन प्रणाली में स्वभाषा एवं स्वसंस्कृति को विशेष महत्व था । गुलामी के प्रतीकों को हटाकर स्वाभिमानी समाज जागृत करने के लिए उन्होंने किलों के नामों का नामांतरण भी किया । उर्दू और फारसी के शब्द बदलकर स्वराज संचालन के लिए 1400 हिन्दी शब्दों का कोष भी बनाया था ।

छत्रपति शिवाजी महाराज की गुप्तचर व्यवस्था, शत्रु को पहचानने की उनकी अचूक दृष्टि उनको शेष भारतीय राजा -महाराजाओं से अलग करती है । उत्तर भारत की मुग़ल शक्ति एवं दक्षिण की आदिलशाही, कुतुबशाही के भेद का उन्होंने उचित उपयोगकिया था । अंग्रेज व्यापारी स्वभाव के हैं, उन्होंने इसको अच्छे से पहचानकर उसी दृष्टि से उनके साथ व्यवहार भी किया था । शत्रु के साथ 'जैसे को तैसा व्यवहार' (शठे शाठ्यम समाचरेत) शाइस्ताखान, अफजलखान एवं औरंगजेब से युद्ध करते समय उन्होंने अपनाया था । व्यापार एवं सुरक्षा के लिए नौसेना के महत्व को पहचान कर सिंधुदुर्ग सहित समुद्र किनारे अनेक दुर्गों की स्थापना उन्होंने की थी। अपने धर्म से विमुख हुए लोगों को अपने धर्म में पुनःवापसी भी उन्होंने करायी थी ।

छत्रपति शिवाजी महाराज ने न केवल हिन्दवी साम्राज्य स्थापित किया, बल्कि सम्पूर्ण समाज में स्वराज, स्वधर्म के प्रति समर्पण की भावना भी जागृत की ।देश भर में स्वराज की रक्षा के लिए संघर्षरत समस्त राजा-महाराजाओं के प्रेरणा पुंज भी वह बने। बुंदेलखंड के महाराजा छत्रसाल, असम के लाचिद बड़फूकन उन्हीं से प्रेरणा लेकर संघर्ष कर रहे थे । विजय प्राप्ति पर अहोम राजाओं ने कहा कि हमारी प्रेरणा का केंद्र शिवाजी हैं ।

अपनी माता की मृत्यु के समय भी बिना अवकाश लिए वे राज्य का सूत्र संचालन करते रहे, और न ही कोई शासकीय अवकाश घोषित किया । स्वराज संस्थापन के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करना ही उनकी प्रेरणा थी । स्वराज स्थापन यह 'श्री' का कार्य है यह मान कर उन्होंने सम्पूर्ण जीवनभर संघर्ष किया । अपने सहयोगियों में भी उन्होंनेयही भाव कूट-कूट कर भरा था। सहयोगियों से वे कहते थे कि हमारे कार्य की दिशा ठीक है यह पवित्र कार्य है । हमारा कार्य पवित्र होने के कारण पवित्र अदृश्य शक्तियाँ हमारा सहयोग करेंगी। माँ तुलजा भवानी एवं परमेश्वर पर यह आस्था ही उनके संघर्ष की प्रेरणा थी। निमित्तता के इसी निस्वार्थ भाव के कारण उन्होंने एक कागज पर लिखकर अपना राज्य अपने प्रेरणा स्रोत समर्थ रामदास स्वामी महाराज की छोली में डाल दिया था। हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना के इस पुनीत अवसर पर हम छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन आदर्श से प्रेरणा लेकर अपने देश कोआत्मनिर्भर, आर्थिक रूप से सम्पन्न, सुरक्षित एवं सांस्कृतिक मूल्यों से संरक्षित कर विश्व वन्दनीय भारत बनाएं ।

बंगाल की राजनीति प्रतिरोध की संस्कृति के विकास की राजनीति

दृष्टिकोण

चित्रा माली

सहायक प्रोफेसर गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता।

बंगाल में हर जगह महिलाओं की अधिक संख्या में उपस्थिति किसी अन्य प्रदेश की महिला को भी सुरक्षा का बोध कराती है ।2012 में टाइम पत्रिका ने ममता बनर्जी को विश्व के 100 प्रतिभाशाली व्यक्तियों में से एक का बताया था,इसके साथ ही ब्लूमबर्ग मार्केट पत्रिका ने भी उन्हें वित्त की दुनिया में 50 सबसे प्रभावशाली लोगों में शामिल किया था ।2013 में इंडिया अगेंस्ट करप्शन द्वारा ममता बनर्जी को सबसे ईमानदार राजनेता के रूप में चुना गया था ।महिलाओं, बच्चों, और गरीबों की लड़ाई में दीदी ने हमेशा उनका साथ दिया है ।

पश्चिम बंगाल जिसके उत्तर में नेपाल, भूटान और सिक्किम है । पूर्व में असम और बांग्लादेश है । पश्चिम में बिहार और झारखंड है तथा दक्षिण में ओडिसा और झारखंड दोनों हैं । पश्चिम बंगाल के दक्षिण में गंगा का मैदान और उत्तर में हिमालय क्षेत्र है जो दो मुख्य प्राकृतिक क्षेत्र कहे जाते हैं । ईसा पूर्व तीसरी सदी में बंगाल का सीमावर्ती क्षेत्र अशोक साम्राज्य का हिस्सा था । चौथी सदी में यह गुप्त साम्राज्य का हिस्सा बन गया । पश्चिम बंगाल में तेरहवीं शताब्दी से लेकर अट्ठारहवीं शताब्दी तक कई सुल्तानों और जमींदारों का शासन रहा । 1857 की प्लासी की लड़ाई के बाद ब्रिटिश इंडिया कंपनी ने अपना वर्चस्व यहां पर कायम किया । बंगाल को भारतीय सांस्कृतिक नवजागरण का अग्रदूत माना जाता है । साहित्य, कला और समाज-सुधार की शुरुआत भी बंगाल से ही हुई है । भारत के स्वाधीनता संग्राम का मुख्य केंद्र भी बंगाल रहा है और इसी के साथ भारतीय समाज के आधुनिकीकरण की प्रवृत्तियों का एक महत्वपूर्ण उद्गम स्थल भी रहा है। एक ओर यह उग्र राष्ट्रवादी आंदोलन का गढ़ था तो दूसरी ओर रवींद्रनाथ ठाकुर ने राष्ट्रवाद की आलोचना भी बंगाल की भूमि पर ही की थी। औपनिवेशिक काल में 1905 में साम्प्रदायिक आधार पर बंगाल का विभाजन किया गया था। बंग-भंग के खिलाफ लोगों ने जबरदस्त आंदोलन किया था परिणामस्वरूप 1911 में बंगाल विभाजन को वापस ले लिया गया। पश्चिमी संदर्भ में कम्युनलिजम का अर्थ समुदाय आधारित कार्यवाही है। लेकिन जैसे ही भारतीय और दक्षिण एशियाई संदर्भ में इसका अनुवाद साम्प्रदायिकता या फिरकापरस्ती के रूप में किया जाता है, जिससे सामुदायिकता में निहित सकारात्मकता समाप्त हो पूरी तरह से नकारात्मकता में तब्दील हो जाती है। साम्प्रदायिकता का मतलब हो जाता है समुदायों के बीच,आमतौर पर धार्मिक समुदायों के मध्य,प्रतिस्पर्धा और टकराव जो अक्सर हिंसा का रूप लेती रहती है। साम्प्रदायिकता की सामान्य और प्रचलित समझ यह है कि इसका जन्म अंग्रेजों द्वारा अपनायी गयी 'फूट डालो और शासन करो' की कुटिल नीति के कारण हुआ था। 1857 के विद्रोह से पूर्व देश में कम से कम नौ-दस जगहों पर हिंदुओं और मुसलमानों के बीच साम्प्रदायिक दंगे हुए थे लेकिन विद्रोह के दौरान तीन वर्षों में हिंदुओं और मुसलमानों ने जबरदस्त एकता का प्रदर्शन करके उपनिवेशवाद को हिला दिया था। विकासशील समाज अध्ययन पीठ (CSDS) के द्वारा किए गए सर्वेक्षण से यह बात सामने आयी कि '1990 के दशक में जब भारत के अधिकांश राज्यों में राजनीति के केंद्र में मंदिर और मंडल कमीशन हावी था वहीं इस दौर में ऊंची जातियों, पिछड़ी जातियों,हिंदू और मुसलमानों ने जाति,धर्म से परे बंगाल में वाम-मोर्चे का समर्थन किया। 1984 और 1992 के साम्प्रदायिक दंगों के बाद भी पश्चिम बंगाल साम्प्रदायिक सद्भाव और सेकुलर मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहा। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता जो कभी भारत की राजधानी भी रही है और जिसे हम 'सिटी ऑफ जॉय' के नाम से भी जानते है । कोलकाता की रुमानियत या कहें जादू हमारे अवचेतन मन में कहीं न कहीं हमेशा मौजूद रहा है,चाहे वह संगीत, लोकगीतों, उपन्यासों,कहानियों, फिल्मों या अन्य किसी भी विधा के माध्यम से हो । पश्चिम बंगाल में भारतीय राजनीति में पारंपरिक तरीके को नए रूप में प्रस्तुत करने का और नए रूपकों को गढ़ने की प्रक्रिया 2011 के बाद से शुरू होती है,जब 34 साल के लंबे या कहें एकतरफा कम्युनिस्ट शासन को चुनौती देने का काम ममता बनर्जी के द्वारा किया जाता है और जिसमें वह जीत हासिल करती है,इसमें एक बात यह भी ध्यान देने योग्य है कि वे कम्युनिस्ट पार्टी को जरूर चुनौती देती है लेकिन उनके मूल्यों का समावेश अपनी जीवन शैली और पार्टी की विचारधारा में भी करती है। राजनीति में नए अध्याय की शुरुआत के तौर पर ममता बनर्जी की जीत को देखा जा सकता है । जो भारतीय राजनीति में पावर वूमेन का इतिहास रचती है और नए एक अध्याय की शुरूआत करती प्रतीत हो रही है । ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद के तीसरे टर्म को पूरा करेंगी। बंगाल की पहली महिला मुख्यमंत्री से तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने का तक का सफर लंबा और संघर्षपूर्ण था आसान नहीं,खासकर आज के समय में जब राजनीति से नैतिकता का लगातार लोप हो रहा हो । इसके पूर्व श्रीमती इंदिरा गांधी जी को यह दर्जा हासिल था । दीदी का तीसरा टर्म उन सभी महिलाओं की जीत है जो अपनी शर्तों पर जीना चाहती हैं और राजनीति में भी अपने वर्चस्व को स्थापित करने के लिए आतुर है,साथ ही अपनी उपस्थिति से समाज में फैल रहे जहर को समाप्त करना चाहती है,इसके साथ ही उन लोगों की छोटी सोच को भी जो महिलाओं को दोयम दर्जे का समझते हैं और वह स्त्री देह से परे कुछ देखने समझने के लायक भी नहीं है । इसमें दीदी का बखूबी साथ निभाया है वहां की महिला मतदाताओं ने, जो पितृसत्ता की घिसी पिटी अवधारणा की जंजीरों को तोड़कर नई राजनीतिक चेतना का संचार कर रही है । वह यह संदेश भी दे रही है कि आधी आबादी की उपेक्षा कर सत्ता में काबिज नहीं हुआ जा सकता है ।

बंगाल में हर जगह महिलाओं की अधिक संख्या में उपस्थिति किसी अन्य प्रदेश की महिला को भी सुरक्षा का बोध कराती है । 2012 में टाइम पत्रिका ने ममता बनर्जी को विश्व के 100 प्रतिभाशाली व्यक्तियों में से एक का बताया था,इसके साथ ही ब्लूमबर्ग मार्केट पत्रिका ने भी उन्हें वित्त की दुनिया में 50 सबसे प्रभावशाली लोगों में शामिल किया था। 2013 में 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' द्वारा ममता बनर्जी को सबसे ईमानदार राजनेता के रूप में चुना गया था। महिलाओं, बच्चों, और गरीबों की लड़ाई में दीदी ने हमेशा उनका साथ दिया है । दीदी ने हवालात में महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचारों और उससे होने वाली मृत्यु के खिलाफ प्रदर्शन भी किया था। मानवाधिकारों को लागू करवाने के लिए भी लंबा संघर्ष उनके द्वारा किया गया है । भले ही पश्चिम बंगाल में वामपंथी पार्टी के शासन की समाप्ति 2011 में हो गयी थी, लेकिन दीदी की कार्यशैली में उसकी संस्कृति आज भी दिखाई देती है,बंगाल में गरीब से गरीब व्यक्ति भी सम्मानपूर्वक जी सकता है। अमीर से अमीर और गरीब से गरीब दो अलग अलग क्लास को अपनी आजीविका के अनुसार जीवनयापन करते हुए आप यहां देख सकते है । रूस में आयोजित 'वर्ल्ड वुमन राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस' में भारत का प्रतिनिधित्व भी दीदी के द्वारा किया गया है । दीदी ने महिला अस्मिता के प्रश्नों को प्रमुखता से उठाया है और उन पर होने वाले अत्याचारों को रोकने का प्रयास भी लगातार कर रही है । 2019 के लोकसभा चुनावों में भी तृणमूल कांग्रेस की दो सबसे कम उम्र की सांसदों को संसद तक पहुंचाने में दीदी की ही महत्वपूर्ण भूमिका है जो उन पर विश्वास और जिम्मेदारी को बढ़ाता है । पार्टी में युवाओं,महिलाओं को अवसर प्रदान करने में भी दीदी सबसे आगे है ।

2024 का लोकसभा चुनाव कई मायने में महत्वपूर्ण था,जिस पर हर व्यक्ति की आंख लगी थी जो आज भी बदलाव का इंतजार कर रहा है और राष्ट्र के सेकुलर स्वरूप को तथा देश को संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों से संचालित रखने में विश्वास करते हैं । इसी के साथ विकास को लेकर चिंतित और परेशान भी हैं,जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का विकास हो, सभी को शिक्षा, स्वास्थ्य,रोजगार,

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक सुरक्षा भी निहित हो, साथ ही धर्म,जाति, लिंग,क्षेत्र,भाषा के आधार पर विभाजित करने वाले लोगों के खिलाफ भी जो सिर्फ अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के चलते एक दूसरे से लड़ाने का काम करते हैं,इनकी राजनीति लोगों को विभाजित करने से ही सफल होती है। अराजकता का जो माहौल लगातार बनाया जा रहा था,इस वह जरूर टूटा होगा और यह बात भी समझ आई होगी कि सिर्फ विभाजित कर लोगों को नहीं जीता जा सकता है और खासकर बंगाल को तो नहीं ही। जो लोग तथाकथित विकास के दम पर सत्ता में काबिज हुए थे,वह विकास भी कुछ लोगों का ही कर रहे थे,जबकि वे सबके विकास की बात करते थे यह भ्रम भी इस चुनाव में खत्म हुआ है । इस लोकसभा चुनाव में और 2014 के बाद से राजनीति में जो एक दूसरे का सम्मान होता था चाहे वह प्रतिपक्षी ही क्यों ना हो,ध्वस्त हुआ है । व्यक्तिगत जीवन को भी सार्वजनिक मंच पर लाकर छोटा बनाने का काम अब राजनीतिक दलों के द्वारा लगातार किया जा रहा है । इंडिया एलाइंस का हिस्सा न होते हुए भी ममता बनर्जी ने एक नई प्राण ऊर्जा का संचार विपक्ष में अपने बेबाक अंदाज से किया उसके लोग कायल हैं । बंगाल को जिस तरह से महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाया है हम उम्मीद करते हैं कि ममता बनर्जी पूरे भारत को सुरक्षित बनाने और महिलाओं के राजनीति में प्रतिनिधित्व को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी । 2024 के लोकसभा चुनाव में बंगाल से 12 महिला प्रतिनिधि संसद में पहुंची है जो लगातार प्रतिरोध की बंगाल की संस्कृति को कायम रखेंगी। महुआ मोइत्रा से हम सभी वाकिफ हैं यही उम्मीद हम अन्य महिला प्रतिनिधियों से भी कर सकते हैं। रणधीर सिंह के अनुसार समकालीन भारत में अपनी विचारधारा और व्यवहार के रूप में साम्प्रदायिकता शासक वर्गों द्वारा की जाने वाली राजनीति का एक प्रकार है । रणधीर सिंह मानते हैं कि साम्प्रदायिकता का राजनीतिक खेल एक ऐसे समाज में खेला जाता है जो अपनी सामंती-औपनिवेशिक विरासत की जकड़ में बुरी तरह से फंसा हुआ है, जो गहरे धार्मिक विभाजन का शिकार है और जो पूंजीवादी विकास के अपने एक विशिष्ट रूप से गुजर रहा है । बंगाल को सेकुलर बनाए रखने और साम्प्रदायिक ताकतों को रोकने का कार्य दीदी ने किया है और इसमें उनका साथ यहां की जनता ने दिया है ठीक उसी तरह जिस तरह से बंग-भंग के विभाजन को एक जुट होकर रोका गया था ।

विश्व सिकल सेल दिवस पर जिला चिकित्सालय में सिकल सेल परामर्श शिविर आयोजित

डिंडोरी जिले में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का 554 ग्राम पंचायतों में हुआ लाइव प्रसारण

बैतूल। विश्व सिकलसेल दिवस के अवसर पर बुधवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला चिकित्सालय के नवीन एमसीएच भवन में सिकलसेल परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रविकांत उइके ने बताया कि शिविर में कुल 2003 लोग जांच एवं परामर्श हेतु उपस्थित हुए, जिसमें 857 मरीजों का पंजीयन, रक्त जांच के पश्चात् 190 मरीज सिकलसेल बीमारी, 240 सिकलसेल वाहक एवं 427 सामान्य मरीज पाए गए। डॉ.उइके ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित शिविर में सर्वप्रथम माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ के मुख्य आतिथ्य में डिंडोरी जिले में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का जिले की सभी 554 ग्राम पंचायतों में सीधा प्रसारण किया गया, जिसको लगभग 55 हजार लोगों द्वारा देखा गया। इस अवसर पर आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, मुलताई विधायक श्री चन्द्रशेखर देशमुख, घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बारस्कर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री महेश राठौर एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष श्री सुनील

भलावी उपस्थित थे।

सिकलसेल एनीमिया गंभीर आनुवंशिक बीमारी

आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे ने कहा कि सिकलसेल एनीमिया गंभीर आनुवंशिक बीमारी है, जिसको चिकित्सक एवं दवाइयों के द्वारा खत्म नहीं किया जा सकता है। बैतूल जिला सिकलसेल प्रभावित जिला है। शुरू के वर्षों में बच्चों में बीमारी का पता नहीं चलता। उम्र बढ़ने के साथ-साथ हीमोग्लोबिन की कमी, पीलिया का बार-बार होना एवं जोड़ो का दर्द रहना इस बीमारी के प्रमुख लक्षण हैं। ये लक्षण होने पर तत्काल सिकलसेल स्क्रीनिंग करवाकर उपचार प्रारंभ करवाएं।

ग्रामीणों को जागरूक करना आवश्यक: घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस बीमारी की पहचान एवं निदान की जानकारी का अभाव है। हमें चिकित्सक, एएनएम, आशा, स्वास्थ्य अमला के साथ मिलकर इस बीमारी के प्रति जागरूक करना होगा, क्योंकि जानकारी के अभाव में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में खून की कमी पायी जाती है।

विवाह के समय सिकलसेल की जांच करवाना जरूरी

मुलताई विधायक श्री चन्द्रशेखर देशमुख ने कहा कि यह अनुवांशिक बीमारी है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी कई वर्षो से लगातार चली आ रही है। इस बीमारी को जड़ से खत्म करने हेतु समाज के विभिन्न संगठनों एवं स्वास्थ्य विभाग को साथ-साथ मिलकर सिकलसेल के प्रति लोगों में जागरूकता हेतु कार्य करना होगा। यह बीमारी माता-पिता से बच्चों में आती है इसलिये विवाह के समय सिकलसेल की जांच करवाना आवश्यक है।

सिविल सर्जन डॉ.अशोक बारंगा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायतों एवं ग्राम आरोग्य मंदिर तक सिकलसेल की स्क्रीनिंग हेतु साधन उपलब्ध करवा दिये गये हैं। हमें अधिक से अधिक लोगों का लक्ष्य लेकर स्क्रीनिंग का कार्य करना है। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.जगदीश घोरे ने बताया कि शिविर में कुल 2003 लोग जांच एवं परामर्श हेतु उपस्थित हुए, जिसमें 857 मरीजों का पंजीयन, रक्त जांच के पश्चात् 190 मरीज सिकलसेल बीमारी, 240 सिकलसेल वाहक एवं 427 सामान्य मरीज पाए गए। सभी मरीज एवं हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा किया गया एवं रोगियों को परामर्श दिया गया, जिसमें अस्थि रोग विशेषज्ञ, मानसिक रोग, शिशु रोग, स्त्री रोग, मेडिसिन, फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा सेवाएं दी गईं। शिविर में 127 गर्भवती महिलाओं का पंजीयन कर रक्त जांच की गई। शिविर में सभी मरीजों को हाइड्रोक्सी यूरिया एवं फोलिक एसिड टेबलेट दी गई। शिविर में दिव्यांगता प्रमाण-पत्र हेतु 81 मरीजों को चिन्हित कर आवश्यक लिये गये। 190 सिकलसेल डिजीज के रोगियों को फॉलो अप कार्ड वितरित किये गये एवं पूर्व में उपचारित रोगियों को जेनेटिक कार्ड दिये गये।

सिवनपाट ग्राम पंचायत को किया पुरस्कृत

जनप्रतिनिधियों द्वारा मरीजों को दिव्यांगता प्रमाण-पत्र एवं जेनेटिक कार्ड प्रदाय किये गये एवं विकासखंड घोड़ाडोंगरी के सिवनपाट ग्राम पंचायत ने शत-प्रतिशत सिकलसेल स्क्रीनिंग कार्य होने पर ग्राम पंचायत सरपंच एवं सीएचओ को पुरस्कृत किया गया। शिविर में सामाजिक संगठन अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पचौरी एवं सदस्यों द्वारा सिकलसेल से पीड़ित मरीजों को उपहार प्रदान किये गये। कार्यक्रम का संचालन आरएमओ डॉ.रानू वर्मा द्वारा किया गया। शिविर में जिला स्वास्थ्य अधिकारी, जिला चिकित्सालय के समस्त विषय विशेषज्ञ चिकित्सक, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्रीमती शिल्पा जैन, डीपीएम, डीसीएम, आरबीएसके मैनेजर आदि उपस्थित रहे।

भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी मां के नाम से एक पौधा लगायेगा : खंडेलवाल

देवास। भाजपा की कामकाजी बैठक स्थानीय भाजपा कार्यालय पर आयोजित की गई। इस अवसर पर अतिथि के रूप में सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी, जिला प्रभारी रघुनाथ भाटी, जिपं अध्यक्ष लीलाबाई अटारिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बहादुर मुकाती उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव खंडेलवाल ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद सोलंकी ने कहा कि संगठन में मप्र हमेशा अग्रणी रहा है। इसी का परिणाम है कि देश में तीसरी बार भाजपा की मोदी सरकार बनी है और कांग्रेस का प्रदेश में सूपड़ा साफ हो चुका है। कार्यकर्ताओं को उन्होंने धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया, जिनकी वजह से उन्होंने अपनी ही पिछली बार की जीत का रिकार्ड तोड़ा। वहीं जिलाध्यक्ष राजीव खंडेलवाल ने कहा कि संगठन के दिए गए कार्य को करना है। एक पौधा अपनी मां के नाम से प्रत्येक मंडल पर कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें हर कार्यकर्ता अपनी मां के नाम से पौधा लगाए। इस कार्यक्रम में मोर्चा जिलाध्यक्ष व प्रकोष्ठ प्रमुख भी सहभागिता करेंगे। पखवाड़ा दिवस कार्यक्रम में एक वृक्ष मां के नाम 23 जून से लेकर 6 जुलाई तक चलेगा। जिसमें बड़े पैमाने पर पौधरोपण करने का टॉरगेट है। 23 जून को श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस, 25 जून को आपातकाल दिवस को काला दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसे लेकर पूरे जिले में प्रत्येक मंडल व बूथ पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सभी बूथों पर प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात कार्यक्रम को सुना जाएगा। कार्यक्रम को जिला प्रभारी रघुनाथ भाटी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री पंकज वर्मा ने किया व आभार भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्रसिंह सेंधव ने माना। इस अवसर पर जिपं अध्यक्ष लीलाबाई अटारिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बहादुर मुकाती, महामंत्री मनीष सोलंकी, पंकज वर्मा, पूर्व देविप्रा अध्यक्ष राजेश यादव, फूलसिंह चावड़ा, गौतमसिंह राजपूत, मंडल अध्यक्ष विश्वास उपाध्याय, भाजयुमो जिलाध्यक्ष राम सोनी, मनोहरसिंह पंवार, कचरूलाल सांवले, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष शिवराजसिंह गोहिल, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष राखी झालानी उपस्थित थे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र चौधरी व सह जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

महाराज तुकोजी राव पंवार की पुण्यतिथि पर दृष्टि कन्या केंद्र में 11786 का चेक सहायता भेंट

देवास। महाराज विक्रम सिंह पवार के मार्गदर्शन में पूर्व सभापति अंसार अहमद हाथी वालों के तत्वाधान में महाराज तुकोजी राव पवार की पुण्यतिथि के अवसर पर दृष्टिहीन कन्या केंद्र में सहायता हेतु 11786 का चेक भेंट किया तथा वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों के बीच जाकर भोजन खिलाया इस अवसर पर सभापति नगर पालिका निगम रवि जैन, भारत चौधरी अरविंद मुंदड़ा, धर्मेंद्र सिंह बेस, गुणपाल सिंह पवार, जुबेर लाला,हरीश देवलिया, इमरान दर्पण,कदीर पहलवान ,जलाल पटेल ,परवेज विनर ,छोटू दरबार, नितिन आहूजा ,अशोक चौधरी, दिनेश जी, राजू राणा ,गब्बर कुरेशी, नितिन साहू,संतोष पंचोली वाहिद हुसैन एकता कार बाजार, राजा जी खान आदि उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन इफ्तेखार अहमद हाथी वालों ने किया। आभार पार्षद मुस्तफा अंसार अहमद हाथी वालों ने माना।

विधायक ने सबसे पहले स्वयं की करवाई जांच

कहा परीक्षण से कैसा डर,परीक्षण से ही निकलेगा सिकल सेल को परास्त करने का रास्ता

- विश्व सिकल सेल दिवस पर नालछा में जागरूकता एवं परीक्षण शिविर आयोजित

सुबह सवेरे नालछा। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर नालछा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कार्यक्रम का आयोजन कर प्रदेश के डिंडोरी जिले में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम का वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से लाइव संबोधन सुनवाया गया. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नालछा पर जागरूकता एवं परीक्षण शिविर का आयोजन धरमपुरी विधायक कालुसिंह ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में किया गया। विधायक श्री ठाकुर के साथ नालछा जनपद सदस्य पवन कुशवाह,ग्राम पंचायत नालछा सरपंच मोहन डावर,वरिष्ठ संतोष राठौड़,अशोक मिरदवाल, विधायक प्रतिनिधि डॉक्टर महेश यादव, भोजपाल दरबार व नालछा जनपद पंचायत सीईओ संदीप डावर भी मंचासिन थे। नालछा बीएमओ जोगिंदर डावर ने सिकल सेल की जांच संबंधी संपूर्ण जानकारी दी। क्षेत्रीय विधायक कालूसिंह ठाकुर ने कहा कि सिकल सेल से पीड़ित मरीजों तक पहुंचने के लिए ग्राम पंचायत स्तर और गांव के मजरे-फलिए तक जाकर जागरूकता एवं परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाए और सिकल सेल से पॉजिटिव पाए गए मरीजों को आहार एवं विहार के साथ स्वस्थ रहने के लिए उचित परामर्श दिया जाए तभी हम सिकल सेल की बीमारी से अच्छे से लड़ सकेंगे। रही बात जांच से डर की तो जांच से डरने जेसी कोई बात नही हे परिक्षण से ही सिकल सेल को परास्त करने का रास्ता निकलेगा। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति जगदीश धनगढ़ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव सिकल सेल को परास्त करने के लिए मजबूती से कार्य कर रहे हैं. विधायक श्री ठाकुर ने परीक्षण शिविर में सर्वप्रथम स्वयं अपनी जांच भी करवाई । जनपद सदस्य पवन कुशवाह और जनपद पंचायत सीईओ संदीप डावर ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जन अभियान परिषद नालछा ब्लाक समन्वयक सचिन त्रिवेदी ने किया व अतिथियों का आभार पैसा सैल नालछा विकासखंड समन्वयक जिनेंद्र निनामा ने माना। इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ केंद्र नालछा के कर्मचारी और ग्रामीणजन मौजूद रहे।

एक्ट इव फाउन्डेशन ने नागौरा स्कूल में पंखे और बच्चों को बैग, बॉटल्स भेंट की

देवास। सामाजिक संस्था एक्ट इव फाउन्डेशन ने अपने सामाजिक कामों की कड़ी में समाजसेवियों की सहायता से आज क्षिप्रा संकुल में ग्राम नागौरा के सरकारी स्कूल में दो पंखे तथा बच्चों को स्कूल बैग और बॉटल्स भेंट की । संस्था अध्यक्ष मोहन वर्मा तथा सचिव किशोर असनानी ने बताया कि स्कूल की जरूरत को देखते हुए संस्था के सहयोगी दानदाता दीपक सोनी के सौजन्य से दो पंखे तथा अजय चौधरी के सौजन्य से बच्चों को स्कूल बैग तथा वाटर बॉटल्स भेंट की गई। कार्यक्रम में अतिथि रूप में शिक्षाविद विजय श्रीवास्तव, समाजसेवी अजय चौधरी तथा श्रीमती गुलाब वर्मा उपस्थित थे जिनका स्वागत स्कूल स्टाफ की

संगीता गुप्ता,ज्योति काजले, सुनीता पटेल तथा सुभाष चौधरी ने किया । शाला प्रभारी श्रीमती हंसा चौधरी ने स्वागत भाषण में संस्था एक्ट इव का इस सहयोग के लिए धन्यवाद अदा किया । अतिथि विजय श्रीवास्तव ने बच्चों को कहा कि वे अच्छे से पढ़ाई करते हुए बड़े होकर समाज के जरूरतमंद बच्चों की मदद करते रहें। मोहन वर्मा ने संस्था द्वारा किए जा रहे कामों की जानकारी दी। कार्यक्रम में योगेंद्रसिंह चावड़ा,अमल बेरा, काकोली बेरा,मनीषा असनानी, इसाक शेख,प्रवीण रायगांवकर सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे ।

पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने के लिए पौधारोपण आवश्यक: विधायक श्री खंडेलवाल

- महिला आईटीआई परिसर में 108 पौधों का किया रोपण

बैतूल। पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने के लिए पौधारोपण करना आवश्यक है। हम पर्यावरण की चिंता नहीं करेंगे तो आने वाली पीढ़ी हमें कभी माफ नहीं करेगी। विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि पर्यावरण हमें अनगिनत लाभ देता है और यह पारिस्थितिकी तंत्र के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण प्रणालियों को नियंत्रित करता है। इसके अलावा यह पृथ्वी पर संस्कृति और जीवन की गुणवत्ता को भी बनाए रखता है। विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की प्रेरणा से नित्या सेवा समिति के संयोजक श्री बलराम जसूजा, समिति के सदस्यों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा विधायक श्री खंडेलवाल के आतिथ्य में महिला आईटीआई परिसर में 108 पौधों का रोपण किया गया।

छात्राओं को एक दिवसीय पर्यटन स्थलों के भ्रमण का दिया उपहार

विधायक श्री खंडेलवाल ने महिला आईटीआई में अतिरिक्त हॉस्टल एवं आवश्यकतानुसार नवीन भवन हेतु शासन स्तर पर प्रयास करने का आश्वासन दिया।

साथ ही उन्होंने अपनी ओर से सभी छात्राओं को एक दिवसीय बैतूल जिले के पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराने का उपहार दिया गया। नित्या सेवा समिति के संयोजक श्री जसूजा ने उपस्थित छात्राओं को लगाए

गए पौधों की सतत निगरानी एवं देखरेख करने प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि समिति के द्वारा पूर्व में भी जेल परिसर छिंदवाड़ा, काशी तालाब बैतूल, मुख्य चिकित्सालय बैतूल आदि जगह पर पौधारोपण किया गया है। जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष श्री बृज आशीष पांडे ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण हेतु विधायक एवं नित्या सेवा समिति का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि इस प्रकार के प्रयासों की सतत आवश्यकता है। संस्था प्राचार्य श्री रेवाशंकर पंडाग्रे द्वारा संस्था में चल रही गतिविधियों एवं उपलब्धियों से अतिथियों को अवगत कराते हुए बताया कि विगत वर्ष संस्था की 02 ट्रेड की प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं फ्लोरीकल्चर एण्ड लेण्डस्केपिंग ट्रेड की प्रशिक्षणार्थी कु.खुशबू पवार द्वारा इस वर्ष दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड स्किल कंपटीशन में राष्ट्रीय स्तर पर ब्रांज मेडल प्राप्त किया है। इस अवसर पर समिति के श्री हरीश गढ़ेकर, एडव्होकेट दीपक पाल, श्री सुरेन्द्र कपूर, श्री विनित महतो, श्री योगेश पोटे, श्री राजेश चौहान एवं दिनेश मानकर, श्री जवाहर शुक्ला, श्री युवराज गौर, श्री विवेक भदौरिया, श्री अतीत पवार, श्री दीपू सलूजा, श्री राहुल मालवी, जन अभियान परिषद के श्री आशीष कोकने, सुश्री तुलिका पचौरी, श्रीमती जयश्री कनाठे, संस्था के आईएमसी सदस्य श्री विवेक शुक्ला, वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी श्री दिलीप कुमार सोनी, श्रीमती पुष्पा नागले, श्रीमती विनिता पाटील, श्री राघवेन्द्र सिंह ठाकरु, श्री चिन्तामणी विश्वकर्मा, श्री रामनारायण गंगारे, श्रीमती रितिका ठाकुर, श्री संदीप धुर्वे, श्री महेश चौधरी, श्री दुर्गेश मल्लावी, कु.ज्योति दोडके, श्रीमती शारदा साहू, श्रीमती भारती यादव, कु.राजकुमारी यादव, श्री दिलीप बेले, आदि उपस्थित रहे।

सिकल सेल बीमारी के प्रति जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण कदम है : कलेक्टर

विश्व सिकल सेल एनीमिया दिवस के अवसर पर सिकल सेल एनीमिया जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

धार। सिकल सेल बीमारी के प्रति जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है। सबसे पहले इस बीमारी को देखते हुए कार्य करना है वो सभी जागरूकता पर ही करना है। प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल की प्रेरणा से पूरे प्रदेश में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पूरे प्रदेष में इस दिवस को मनाया जाता है। इसलिए धार जिले में भी सिकल सेल बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाना है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित सिकल सेल एनीमिया हेतु जागरूकता कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम को जिला भाजपा अध्यक्ष मनोज सोमानी, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष दीपक बिड़कर, जिला पंचायत सीईओ सविता झानिया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में अधिकारी, कर्मचारी, नागरिकगण सहित छात्र छात्राएं भी शामिल रहे। कलेक्टर ने कहा कि मीडिया/सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से सिकल सेल से जागरूकता हेतु अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करना है। लोगों को इसके प्रति सावधानी रखनी चाहिए। इसकी स्क्रीनिंग भी करवाना चाहिए ताकि इसका प्रकोप न रहे। इसके लिए हमने नर्सिंग के बच्चों को भी बुलाया है, क्योंकि वह भी भविष्य में इस कार्य

के प्रति लोगों में जागरूकता लायेंगे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि मेरा सभी को यहीं संदेश है कि इस बीमारी को जाने, समझे और जागरूक रहें और इस बीमारी से बचें। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा आमजनों के प्रति जागरूकता लाने के लिए ग्राम पंचायतों के माध्यम से शिविर आयोजित किए जाएंगे तथा इसके पूर्व में भी विधानसभा चुनाव के पहले कैम्प लगाकर आमजनों को जागरूकता किया गया है। जिसके तहत सबका कार्ड बन जाए और इसके लिए गांवों और पंचायतों में ग्रामसभाओं के माध्यम से शिविर आयोजित किए जायेंगे। इसके लिए आषा कार्यकर्ता, आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को भी निर्देश दिए गए है कि गॉव में लागों को इस बीमारी के प्रति जागरूक किया जाए, क्योंकि सबको इस बीमारी के बारे में मालूम होना सबसे जरूरी है। विश्व सिकल सेल दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम जिला डिंडोरी में उपराष्टपति जगदीप धनखड़ के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। जिला मुख्यालय पर शासकीय पी. जी. कॉलेज (ऑडिटोरियम) हॉल में उपस्थित जनसमुदाय ने कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एलईडी के माध्यम से देखा और सुना।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिले के सभी मंडलों में पौधारोपण होगा

आगामी कार्य योजना को लेकर भाजपा की कामकाजी जिला बैठक संपन्न

धार। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में बुधवार को आगामी कार्य योजना को लेकर कामकाजी बैठक संपन्न हुई बैठक में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, पूर्व जिला अध्यक्ष क्रमशः प्रभु राठौर खेमराज पाटीदार दिलीप पटोदिया, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा भाजपा प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल ,डॉ शरद विजयवर्गीय, जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़ मंचासीन रहे। भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने कहा कि धार महू लोकसभा में भाजपा की ऐतिहासिक जीत में भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ताओ का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कुल बूथ में से भाजपा ने 1361 बूथ जीते हैं वही 778 बूथ पर भाजपा हारी है। जिन बूथों पर हम हारे हैं उसकी समीक्षा भी संगठन करेगा। भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य विनोद शर्मा ने कहा कि प्रदेश में लोकसभा की 29 सीटो में से 29 पर भाजपा विजय हुई है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक 2 दिन पूर्व हुई है, जिसमे आगामी कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई है। 21 जून को विश्व योगदिवस पर हम मंडल स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना है। 23 जून को डॉ श्यामप्रसाद मुखर्जी

का बलिदान दिवस का कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम 23 जून से 6 जुलाई तक चलाया जाएगा और प्रत्येक मंडल में यह कार्यक्रम करना है। 25 जून को कांग्रेस ने लोकतंत्र की हत्या की थी इमरजेंसी लगाकर 25 जून को आपातकाल का काला दिवस मनाना है। लोकतंत्र सेनानी (मीसा बंदियों) का सम्मान करना है। 30 जून को सभी मंडलों में मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम को सुना जाएगा.. जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि जिला कामकाजी बैठक बैठक में भाजपा प्रदेश पदाधिकारी प्रदेश कार्य समिति सदस्य मोर्चे प्रदेश पदाधिकारी जिले के पदाधिकारी पूर्व जिला अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष मंडल प्रभारी,मोर्चे के जिला अध्यक्ष उपस्थित थे। संचालन जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़ व आभार मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर ने माना ने किया।

कृषि संयुक्त कार्यशाला का हुआ आयोजन

नरसिंहपुर। खाद्यान्न के आयात से मुक्ति एवं आत्मनिर्भरता के संकल्प को कृषि के क्षेत्र में सही खाद पहुंचाने के उद्देश्य से जिले के सहकारिता एवं अधिकारियों की संयुक्त कार्यशाला का आयोजन सावित्री सिग्नेचर होटल नरसिंहपुर में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। यह संयुक्त कार्यशाला इंडियन फारमर्स फर्जिलाईजर्स को-ऑपरेटिव लिमिटेड- इफको के तत्वावधान में आयोजित किया गया।प्रशिक्षण में रा’य विपणन प्रबंधक, इफको मप्र के श्री प्रकाश पाटीदार, उप संचालक कृषि श्री यूके कटहरे, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक नरसिंहपुर के महाप्रबंधक श्री डीके राय, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विशाल मेश्राम, जिला विपणन अधिकारी नरसिंहपुर श्री एमएल कुसरे, उपायुक्त सहकारिता नरसिंहपुर श्री राजेन्द्र सिंह मौजूद थे।कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि दोनों विभागों का प्रमुख कर्तव्य है कि वे भारत में कृषि के नये तरीकों के क्रियान्वयन में इस कार्य को प्रशासनिक तरीके से नहीं इसे खुद की जिम्मेदारी समझकर कार्य करना होगा। समिति को खाद का लक्ष्य निर्धारित करने के लिए योजना तैयार करें। किसानों से सतत सम्पर्क कर प्रकृति को संरक्षित करने के लिए प्रयास करें। प्राकृतिक रूप से कृषि कार्य करने के लिए किसानों को प्रेरित करें। कार्यशाला में इफको के क्षेत्र में कलेक्टर सहकारिता समिति गाडरवारा को प्रथम, सहकारिता समिति चारगांव को द्वितीय एवं सहकारिता रम्पुरा- तेंदूखेड़ा को तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यशाला में इफको राज्य विपणन प्रबंधक ने बताया कि नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया नैनो टेक्नोलॉजी तकनीक पर आधारित उर्वरक है। इसमें तत्व पार्टिकल साइज में रहते हैं और इनकी एक बोतल एक बोरी डीएपी और एक बोरी यूरिया के बराबर काम करती है उक्त उर्वरक के कण इतने छोटे होते हैं की स्प्रे करने पर आसानी से पौधों के अंदर प्रवेश कर जाते हैं। डीजीएम श्री आर के मिश्रा ने बताया कि नैनो डीएपी किसानों के लिए अधिक लाभदायक है। इसकी प्रयोग विधि, बीजोपचार, जड़/ बंद उपचार, फसलों पर छिड़काव आदि के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. ओम शरण तिवारी ने बताया कि इफको के नैनो जिंक एवं नैनो कॉपर से खेती में उक्त तत्वों की कमी भी कुशलता पूर्वक दूर की जा सकती है। डॉ. विशाल मेश्राम ने विस्तार रूप से संतुलित उर्वरक के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। उप संचालक कृषि श्री यूके कटहरे ने नैनो उर्वरकों से होने वाले फायदे एवं आधुनिक कृषि में उसके महत्व के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी साझा की। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय अधिकारी उफको श्री अजय प्रताप सिंह राजपूत ने किया।

शासकीय विद्यालयों में मनाया गया प्रवेशोत्सव

नरसिंहपुर। स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। गोटेगांव विकासखंड के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल ठेमी में सरपंच श्री मस्तराम गुमास्ता, प्राचार्य श्री गोविंद बड़कुर और श्री एचएस पटेल द्वारा मां सरस्वती का पूजन कर शुभारंभ किया गया। इस दौरान प्रदेश के शिक्षा मंत्री के संदेशों का वितरण किया गया। सरपंच श्री गुमास्ता ने सभी विद्यार्थियों को नियमित विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक मौजूद थे। पीएम श्री हायर सेकेण्डरी स्कूल करकबेल में जनप्रतिनिधियों व अभिभावकों की मौजूदगी में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को तिलक एवं पुष्पहार पहनाकर उनका स्वागत किया गया। प्राचार्य श्री रघुवीर सिंह लोधी ने विद्यालय में रा’य स्तर पर विद्यार्थियों की उपलब्धियों व स्कूल की गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने प्रदेश के शिक्षा मंत्री के संदेशों का वितरण किया। सभी छात्र- छात्राओं को नवीन शिक्षण सत्र की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने शिक्षकों के उत्कृष्ट कार्य की सराहना कर छात्र- छात्राओं को प्रेरित किया।पीएम श्री हायर सेकेण्डरी विद्यालय एमएलबी नरसिंहपुर में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के दौरान छात्राओं का स्वागत कर निःशुल्क पाठ्य- पुस्तकों का वितरण किया गया। प्राचार्य श्रीमती आशा नेमा ने अभिभावकों के संदेश का वितरण किया।

बलात कब्जा लेने फिर पहुंचे भू-माफिया

नगर में कायम हो गया क्या गुण्डा राज..?

नर्मदापुरम। बगैर बेदखली आदेश, बगैर आरआई और पटवारी के क्या अपने से कब्जा लिया जा सकता है..? यह सवाल आज मुख्यालय पर ऐसे वक्त पर खड़ा हो गया जब आदर्श गृह निर्माण सहकारी समिति के राधेश्याम जाट बगैर आरआई, बगैर पटवारी और बेदखली आदेश के बगैर जेसीबी मशीन और भू-माफियाओं के साथ चल रहे न्यायालयीन मामले में विधी सम्मत फैसला हुए बगैर बलात कब्जा करने पहुंचे थे। पुरुषोत्तम यादव के खेत पर बलात् कब्जा करने दोपहर लगभग 12 बजे पहुंचे राधेश्याम जाट के साथ हिमांशु वर्मा, हितेन्द्र जाट, संजय राजपूत, जादूगर जाट, श्याम भोजनालय वाले तीन भाई और कुछ अन्य साथ थे। खेत पर इस समय मूंग की फसल खड़ी है और आज 19 जून को अनुविभागीय अधिकारी के न्यायालय में इस मामले की पेशी है। अचानक 12 बजे राधेश्याम जाट भू-माफियाओं के साथ दल-बल और जेसीबी मशीन लेकर बलात् कब्जा करने कैसे जा धमके विचारणीय प्रश्न है। हितेंद्र जाट ने यहां पुरुषोत्तम यादव के पिता धनराज यादव से झूमा झटकी कर उन्हें जमीन पर पटक दिया। आखिर नगर में हो क्या रहा क्या यहां गुण्डा राज कायम हो चला..? तहसीलदार श्री धुर्वे से हुई चर्चा में उन्होंने स्पष्ट कहा कि उन्होंने पुरुषोत्तम यादव के विरुद्ध बेदखली आदेश जारी नहीं किए, बलात् कब्जा करने को उन्होंने गलत बताया, पटवारी चेतन वर्मा और आरआई श्री मर्सकोले को भी ज्ञात नहीं कि पुरुषोत्तम के विरुद्ध बेदखली आदेश जारी हुआ है। न्यायालीन विधी सम्मत फैसला हुए बगैर भू-माफियाओं के साथ बलात् कब्जा करने पहुंचे राधेश्याम जाट के इस गैर कानूनी काम से तो सीधे सीधे समझ आता है कि यहां कानून राज नहीं बल्कि गुंडा राज चल रहा..? बलात् कब्जा करने के मामले को लेकर हालांकि तहसीलदार धुर्वे गंभीर नजर आए, पटवारी और आर आई के साथ जो घटना स्थल पहुंचे , पूरे घटनाक्रम पर अगर नजर डाली जाए तो दोनों ही पार्टियों के अपने अपने तर्क है, आदर्श गृह निर्माण सहकारी समिति ने नाबालिग की जमीन खरीदी, फिर सोसायटी भंग कर सभी अंशदाताओं को उनकी अंश राशि बैंक के जरिए लौटाई , फिर अचानक सोसायटी पुनजीर्वित कर ली, सहकारिता के वरिष्ठ पदो पर रहने वाले नियम कानून जानने वालों ने जिम्मेदारी से भंग सोसायटी को पुनर्जीवित तो कर ली लेकिन सोसायटी पुनजीर्वित करने के नियमों का पालन नहीं किया। इसलिए वे ऐनकेन प्रकारेण न्यायालय से विधी सम्मत आदेश पारित हो का इन्तजार नहीं कर निचली अदालतों में दबाव बनाकर किसी तरह भू-माफियाओं के हवाले जमीन सौंपकर आसामी बन जाना चाहते हैं इसलिए उन्होंने आज बलात् कब्जा करने का जोखिम उठाया, जिसे लेकर तहसीलदार की फटकार उन्हें सुननी पड़ी।

सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम संपन्न

नरसिंहपुर। विश्व सिकल दिवस पर सिकल सेल एनीमिया हेतु जागरूकता कार्यक्रम जिला चिकित्सालय नरसिहपुर में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति काकोडिया, तेंदूखेड़ा विधायक श्री विश्वनाथ सिंह, गोटेगांव विधायक श्री महेंद्र नागेश, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, जिला पंचायत सीईओ श्री दलीप कुमार की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष काकोडिय ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग इस अभियान में अपनी महती भूमिका निभा रहा है। गोटेगांव विधायक श्री महेंद्र नागेश ने कहा कि आदिवासी बेल्ट में इसकी जांच एवं जागरूकता हेतु शिविर आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम के लिए संचालित अभियान में जनप्रतिनिधि भी अपना सहयोग दें। तेंदूखेड़ा विधायक श्री विश्वनाथ सिंह ने शासन द्वारा चलाई जा रही योजना के क्रियान्वयन हेतु स्वास्थ्य विभाग की सराहना की। उन्होंने अपेक्षा की कि कोई भी जरूरत मंद व्यक्ति स्वास्थ सुविधा से वंचित नहीं रहे। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने पल्स पोलियों के अभियान की सफलता के प्रमुख संसाधनों के लिए सफल स्टोरी बताते हुए कहा कि इसी आधार पर हम सभी मिलकर सिकल सेल अभियान में सफल हो सकते हैं। अभियान की सफलता में सभी की सहभागिता से हम बड़ी से बड़ी बीमारी को रोक पाएंगे। विवाह पूर्व जांच के लिए प्रेरित करें, जिससे अनुवांशिक बीमारी की रोकथाम हो सके। इसका अधिक से अधिक व्यापक प्रचार- प्रसार हो। सीईओ जिला पंचायत ने परिजनों से इसके नियमित उपचार की बात कही। सिविल सर्जन डॉ. मुकेश जैन ने बताया कि जिले के प्रभावित क्षेत्रों में नियमित सैंपलिंग की जा रही है। वर्तमान में ब्लड बैंक में 320 परिवार रजिस्टर्ड हैं, जिनको 15 से 30 दिवस में ब्लड दिया जाता हैं।

एमपीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा के लिए श्री रूपला संभागीय पर्यवेक्षक नियुक्त

नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा- 2024 दो सत्रो में आयोजित की जावेगी। यह परीक्षा 23 जून 2024 को प्रात- 10 बजे से 12 बजे तक एवं दोपहर 2.15 बजे से 4.15 बजे तक दो सत्रो में होगी। परीक्षा आयोजन की वर्तमान व्यवस्था के अतिरिक्त महत्वपूर्ण परीक्षा की प्रक्रियात्मक निष्पक्षता और नागरिकों में उनके प्रति विश्वास बनाये रखने के लिए जबलपुर संभाग के लिए सेवानिवृत्त आईएएस श्री शिवनारायण रूपला को संभागीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। श्री रूपला का मोबाइल नम्बर 9425147740 है। संयुक्त कलेक्टर एवं परीक्षा प्रभारी नरसिंहपुर ने संभागीय पर्यवेक्षण के आगमन पर नायब तहसीलदार करेली श्री विक्रम ठाकुर को लायजनिंग अधिकारी एवं सहायक ग्रेड- 3 कार्यालय तहसीलदार नरसिंहपुर श्री अनिल चौधरी को लिपकीय सहायक के रूप में नियुक्त किया गया है।

21 जून को मनाया जायेगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

नरसिंहपुर। लोक शिक्षण संचालनालय मप्र भोपाल के निर्देशानुसार पूर्व वर्षानुसार इस वर्ष भी 21 जून 2024 को दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस वृहद पैमाने पर आयोजित कर मनाया जायेगा। दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रतिपल अनुसार प्रात- 6 बजे से उत्कृष्ट विद्यालय स्टेडियम ग्राउण्ड नरसिंहपुर में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम के सफल एवं सुचारू रूप से क्रियान्वयन के लिए जिला समिति का गठन कर दायित्व सौंपे गये है।कार्यक्रम में अतिथि स्वागत समिति, समारोह की सम्पूर्ण व्यवस्था एवं मॉनीटरिंग समिति, मंच व्यवस्था समिति, मंच संचालन समिति, योग प्रदर्शन समिति, टेंट एवं साउंड व्यवस्था समिति, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था समिति, साफ- सफाई एवं स्वच्छ पेयजल एचं चूना लाइन व्यवस्था समिति, चिकित्सा समिति, स्वागत व्यवस्था समिति, मैदान व्यवस्था समिति, बालक व बालिका वर्ग समिति, स्वल्पाहार एवं पेयजल व्यवस्था एवं सहयोग समिति, डाटा फीडिंग समिति, प्रचार-प्रसार समिति व आभार प्रदर्शन के लिए दायित्व सौंपे हैं।सीईओ जिला पंचायत नरसिंहपुर श्री दलीप कुमार ने समस्त अधिकारी/ लोकसेवकों को सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करने।

प्रशासन पीड़ित की मदद करने के लिए है या उसे भगाने के लिए..?

• महिला ने सुसाइड करने का अल्टिमेटम दिया

संजीव डे राय

नर्मदापुरम। सच अब तो बहुत ही याद आते हैं दद्दा कल्याण चंद जैन, तुलसीदास मूर्जानी जो कलेक्टर को भी आईना दिखाने में चूकते नहीं थे, जनप्रतिनिधि तो मानो उनकी लेखनी से घायल हो उनकी चौखट पर मनुहार करने पहुंच जाते थे। पुलिस का रुख तो उनकी चौखट पर वहां से गुजरते ही आते जाते जैन साहब, मूर्जानी जी सब बढ़िया है ना कहकर दस्तक देना नहीं भूलते थे.. लेकिन तब माहौल अलग था, लिखाई पढ़ाई का सम्मान होता था, प्रशासनिक अधिकारी हो या जनप्रतिनिधि या फिर पत्रकार हद जानते समझते थे। तीनों ही जनहित और जनोपयोगी कार्य सहित विकास की ओर लक्ष्य रखते थे। कांग्रेस कार्यकाल की यह खूबी तो थी उनमें दो आंखों की शर्म होती थी जो अब दूर दूर तक नजर नहीं आती, प्रशासनिक अधिकारियों का नजरिया पूरी

तरह आम जनमानस की सेवा से हट गया, उनका रुझान राजनैतिकों की चौखट पर मनुहार और किसी तरह अपने को सुरक्षित रखने के लिए हद पार करके वाला हो गया। वहीं राजनैतिकों का रुझान अधिकारियों के जरिए अपने आपको स्थापित रखने तक सीमित हो गया और पत्रकार मीडिया कर्मी में परिवर्तित हो गये। यही कारण है कि आज जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी आम नागरिकों के फोन नहीं उठाते, समाचार-पत्रों में आने वाली समस्या मूलक खबरों पर ध्यान देना तो दूर पढ़ना पसंद नहीं करते, राजनैतिक एक दूसरे के विरोधी दिखाई देते जो हाथी दांत की तरह खाने के कुछ दिखाने के कुछ होते हैं.. कलेक्टर तक अब संवेदनशील नहीं, जिन्हें मानवीय संवेदनाएं हिला नहीं पाई, जो वेदना सुनने को तैयार नहीं तो दूर करना तो दूर की बात होगी.. कोरोना की चपेट में आए सोनी परिवार की महिला का जन सुनवाई में गिड़गिड़ाना उदाहरण है। घर में पति, देवर और जेठ को खो चुकी तीन विधवा महिलाएं आज दाने दाने को मोहताज है, एक साल से सरकारी योजनाओं का लाभ उन्हें मिल सके प्रशासन से नियमित गुहार लगा रही। नियम से उन्हें आपदा सहायता राशि मिलनी चाहिए.. उन्हें सहायता राशि मिलेगी आश्वासन मिलता रहा और अबतक नहीं मिला। अब कहा जा रहा कि उनकी मृत्यु कोरोना से नहीं हुई। लेकिन उनकी मृत्यु तो हुई है। जनसुनवाई में दुख का सैलाब फूट पड़ा। कलेक्टर समझने को तैयार नहीं.. जिले की मालिक होने के नाते उनके पास रेडक्रास सोसायटी संस्था जैसी और भी कई मदद करने के रास्ते हैं पर महिला होकर भी महिला की पीड़ा नहीं समझ पाना यही दिखाता है संबंधित पीड़ित की पीठ पर किसी राजनितिक का हाथ नहीं। मजबूर महिला ने कलेक्टर को अल्टीमेटम क्या दिया कि उसके आवेदन पर यदि 15 दिन में कारवाई नहीं हुई तो वह कलेक्टर का नाम लिखकर आत्महत्या जैसा रास्ता अख्तियार कर खुद को खत्म कर लेगी। और कलेक्टर ने उसे जनसुनवाई से बाहर निकाल देने के लिए आदेश दे दिया। सोशल मीडिया पर यह वीडियो देख लोग द्रवित हो रहे तो समझा जा सकता है कि उस दौरान उसकी पीड़ा सुनकर कितनी आंखें द्रवित हुई होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीआईपी मार्ग पर काफिला रुकवा कर किया आचार्य विनम्र सागर जी का स्वागत

जैन मुनियों से आशीर्वाद प्राप्त किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज वीआईपी मार्ग भोपाल में जैन मुनि श्री विनम्र सागर जी के भोपाल आगमन पर उनका स्वागत किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अन्य जैन मुनियों से भी आशीर्वाद प्राप्त किया। छिंदवाड़ा प्रवास से लौटते हुए राजकीय विमानतल से मुख्यमंत्री निवास जाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव की नजर वीआईपी मार्ग से पैदल यात्रा कर जा रहे जैन मुनियों के दल पर पड़ी और उन्होंने वाहनों का काफिला रुकवा कर सभी का स्वागत किया। आचार्य जी ललितपुर (उत्तर प्रदेश) से जैन मुनियों के दल के साथ पधारे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल आगमन पर जैन मुनि और उनके सहयोगियों का स्वागत किया।

भोपाल में अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने सौंपा ज्ञापन

- जेल से छूटे आरोपियों ने फिर धमकाया, कार्रवाई की मांग

भोपाल (नप्र)। मुक्तेश्वर महादेव मंदिर बरेला लालघाटी के पुजारी गोरेलाल शर्मा के साथ पुलिस आयुक्त हरिनारायण चारी मिश्र से बुधवार को मिले अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधिमंडल ने अन्नू यादव, मुकुल यादव, आयुष यादव व संजू यादव के खिलाफ धमकी देने की शिकायत की है। शर्मा ने बताया कि मारपीट के मामले में जेल गए आरोपियों ने वहां से छूटते ही फिर से धमकी दी है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेंद्र मिश्रा ने बताया कि ने बताया कि आरोपी अपनी मर्जी से फरियादी से काम कराना चाहते हैं। ऐसा नहीं करने पर मंदिर से भगाने और अंजाम भुगतने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी आरोपियों ने फरियादी पर जानलेवा हमला किया था। तब फरियादी की रिपोर्ट पर कोहेफिजा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा-307 का प्रकरण दर्ज किया था। उन्होंने कहा कि फरियादी और उसका परिवार खतरे में है। इसलिए जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में आचार्य प्रदीप शास्त्री, मनमोहन शर्मा, विश्वजीत शर्मा, मुदित शर्मा, धर्मेंद्र दीक्षित, गोरेलाल शर्मा, हरि ओम भारद्वाज, ईश्वरी दुबे, नरेंद्र दीक्षित, योगेश मिश्रा, अंकित, आशीष उपाध्याय, श्याम सुंदर शर्मा एवं अन्य कई ब्राह्मण बंधु उपस्थित रहे।

रायसेन में मंत्री नरेंद्र पटेल की गाड़ी को पीछे से कार ने मारी टक्कर, दोनों गाड़ियां डैमेज

रायसेन (नप्र)। रायसेन में लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री नरेंद्र पटेल की गाड़ी को पीछे से एक अन्य वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे मंत्री की गाड़ी आगे खड़ी फॉलो वाहन से टकरा गई। हादसा बुधवार शाम 5 बजे हुआ। मंत्री पटेल की गाड़ी में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, पूर्व मंत्री ठाकुर रामपाल सिंह राजपूत मौजूद थे। टक्कर लगने के बाद सभी को जोर का झटका लगा। किसी को चोट नहीं लगी है। हालांकि दोनों गाड़ियां डैमेज हो गई हैं। सभी नेता रायसेन जिला भाजपा कार्यालय से बैठक में शामिल होकर रेस्ट हाउस जा रहे थे।

शिवराज सिंह चौहान के इस्तीफे के बाद बुधनी विधानसभा सीट रिक्त घोषित

भोपाल (नप्र)। बुधनी विधानसभा को रिक्त घोषित कर दिया गया है। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने इसकी अधिसूचना जारी की। बुधनी से शिवराज सिंह चौहान विधायक चुने गए थे। उनके इस्तीफे के बाद अब इस सीट पर उपचुनाव होना है। शिवराज सिंह चौहान विदिशा सीट से सांसद चुने गए हैं। मोदी कैबिनेट में उन्हें कृषि मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। दो दिन पहले विधानसभा से इस्तीफा देते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा, आज मैं बहुत भावुक हूं। मैंने मध्यप्रदेश विधानसभा की सदस्यता से त्याग-पत्र दिया है।

म.प्र. की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से गतिशील : उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

बजट पूर्व संवाद में विषय-विशेषज्ञों ने दिए सुझाव

अधोसंरचनात्मक विकास की गति बनाए रखने बन रहीं रणनीतियां

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि राज्य की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से गतिशील हो गई है। पूंजीगत व्यय लगातार बढ़ रहा है। अधोसंरचनात्मक विकास की गति को निरंतर बनाए रखने के लिए रणनीतियां बनाई जा रही हैं। श्री देवड़ा प्रशासन अकादमी में प्रदेश के बजट निर्माण के लिए विषय-विशेषज्ञों के साथ संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मध्यप्रदेश के बजट को नागरिकों की अपेक्षा के अनुसार बनाने और उनकी विकास योजनाओं को पूरी करने के उद्देश्य से समाज के सभी वर्गों से बजट निर्माण के लिए सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। श्री देवड़ा की पहल पर बजट पूर्व संवाद की परंपरा शुरू हुई थी। इस अवसर पर प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष सिंह, सचिव वित्त श्री अजीत कुमार, संचालक बजट श्री बक्की कार्तिकेएन, उप सचिव श्री राजीव रंजन मीना, उप सचिव श्री फ्रैंक नोबेल एवं वित्त विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। श्री देवड़ा ने संवाद सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रधानमंत्री के संकल्प को पूर्ण करने में मध्यप्रदेश का उल्लेखनीय योगदान होगा। श्री देवड़ा ने ऊर्जा क्षेत्र को और ज्यादा मजबूत बनाने इसके लिए विशेषज्ञों से सुझाव मांगे हैं। उन्होंने कहा कि डायनामिक वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को फिर से वित्त मंत्रालय का दायित्व मिलना प्रदेश के लिए यह शुभ संकेत है। समय-समय पर उनसे मिले मार्गदर्शन से मध्य प्रदेश का वित्तीय प्रबंधन बेहतर साबित हुआ है। संवाद सत्र में भाग ले रहे विशेषज्ञों और विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश के बजट निर्माण के लिए उपयोगी सुझाव दिए।

डिजिटल साक्षरता जरूरी

श्री हेमंत सोनी महाप्रबंधक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने जलवायु जोखिम, पर्याप्त भंडारण स्थान, किसानों और छात्रों के लिये वित्तीय और डिजिटल साक्षरता पर जोर देने की आवश्यकता बताई। क्लस्टर स्तर पर न्यूनतम बुनियादी ढ़ाचा बनाने की आवश्यकता है। इसके लिये बजट में प्रावधान ज्यादा होना चाहिए। श्री नंदू जे. नाइक उप महा प्रबंधक नाबार्ड ने सिंचाई के क्षेत्र में फोकस करने की आवश्यकता बताई। हार्टीकल्चर एवं माइक्रो सिंचाई, इंपोर्ट मार्केट बढ़ाने की आवश्यकता है। लॉजिस्टिक एवं कॉर्पोरेट सेक्टर में कार्य किया जाना चाहिए। साथ ही किसानों के छोटे-छोटे ग्रुप बनाये जाना चाहिए।

पूंजीगत व्यय बढ़ाना होगा: प्रो. सी.प्रताप रंजन जैना नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एण्ड पॉलिसी नई दिल्ली ने विभिन्न क्षेत्रों में पूंजीगत व्यय बढ़ाने का सुझाव दिया । उन्होंने कहा कि राज्य की जीडीपी बढ़ाने वाले सभी क्षेत्रों में निवेश को आगे ले जाने की आवश्यकता है। सुश्री कान्ता सिंह डिप्टी काउंट्री रिप्रेजेन्टेटिव यूएन वूमेन इंडिया ने कहा कि मध्यप्रदेश ने जेंडर बजट के लिये बहुत बढ़िया कार्य किया है। महिलाओं की सेफ्टी और केयर वेल्डिंग इकॉनामिक्स पर ज्यादा राशि देनी चाहिए। सुश्री ह्यून ही बेन चीफ सोशल पॉलिसी यूनिसेफ इंडिया ने मध्यप्रदेश सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि महिलाओं के विकास के लिये मध्यप्रदेश ने बहुत अच्छा काम किया है। बच्चों के विकास के लिये बजट और देना चाहिए। क्लायमेट चेंज पर भी ध्यान देना होगा। स्कूलों में हेल्थ के लिये बजट बढ़ाया जाना चाहिए। प्रो. श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी एक्स चेयरमेन सीआईआई ने कहा कि उद्योग के लिये स्टाम्प ड्यूटी पर सब्सिडी पर सरकार को विचार करना चाहिए। सर्विस सेक्टर, टेक्सटाइल में टेक्नॉलॉजी डेवेलपमेंट इन्फ्रास्ट्रकचर में रोजवेज, लॉजिस्टिक, एयरपोर्ट का विकास, ड्रोन सेवाओं, सोलर एनर्जी, डिफेंस, ईव्ही पर अतिरिक्त राशि की व्यवस्था होना चाहिए। इसके साथ महिलाओं के लिये स्टार्ट-अप, हेल्थ क्षेत्र में महिलाओं और बच्चों के लिये अलग से व्यवस्था करना, शिक्षा के क्षेत्र में रिसर्च, स्किल आईटी से जोड़ने पर विचार होना चाहिए।

जलवायु परिवर्तन पर फोकस

प्रो. श्री योगेश दुबे भारतीय वन प्रबंधन संस्थान भोपाल ने वनों एवं जल के लिये अलग से वातावरण के हिसाब से बजट बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। वाइल्ड लाइफ एवं पर्यावरण और क्लायमेट चेंज को ध्यान में रखा जाना चाहिए। ट्रायबल वेलफेयर एवं वाटर मेनेजमेंट, नदियों को स्वच्छ बनाना, मध्यप्रदेश टूरिज्म, विलेज टूरिज्म पर ध्यान देने के साथ फॉरेस्ट फायर होने के बाद उस जगह पर प्लांटेशन करवाना की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री के.व्ही. प्रताप सीनियर इकोनॉमिक एडवाइजर गृह मंत्रालय भारत सरकार ने सुझाव दिया कि अधोसंरचना के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए बजट की अतिरिक्त व्यवस्था करनी चाहिए। संचालक वित्त श्री बक्की कार्तिकेएन ने आभार प्रदर्शन में कहा कि विषय-विशेषज्ञों ने जो सुझाव दिये उस पर विचार किया जाएगा।

गोविंद सिंह बोले-पोलिंग एजेंट के बेटे को पेड़ से लटकाया, पीटा

पीड़ित को लेकर पहुंचे भोपाल, कहा- बीजेपी के नौकर बनकर काम कर रहे भिंड एसपी

भोपाल (नप्र)। पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने भिंड पुलिस पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को टॉर्चर करने का आरोप लगाया है। चुनाव के दौरान लहार के बीजेपी विधायक अमरीश शर्मा के गांव सिकरी जागीर में कांग्रेस के पोलिंग एजेंट के बेटे को पेड़ से उल्टा लटकाकर पीटा गया। फर्जी केस दर्ज कर जेल भेजा गया। गोविंद सिंह पीड़ित युवक को लेकर बुधवार को भोपाल पहुंचे, और प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पूर्व उप नेता प्रतिपक्ष चौधरी राकेश सिंह चतुर्वेदी, मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कहा- भिंड एसपी और लहार के बीजेपी विधायक ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर फर्जी मुकदमे दर्ज कराए हैं।

कार्यकर्ताओं को टॉर्चर करने वाला क्षेत्र बन चुका है ग्वालियर-चंबल

डॉ. गोविंद सिंह ने कहा- भाजपा नेताओं ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित करने का काम किया है। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र का सबसे बड़ा प्रताड़ित करने वाला क्षेत्र बन चुका है। विधानसभा चुनाव के तत्काल बाद विधानसभा चुनाव में कई घटनाएं घटी हैं। अभी हाल ही में कई घटनाएं घटी हैं।

लहार विधायक जिस गांव रहने वाले हैं, चुनाव के दौरान उन्होंने कहा कि हमारे गांव में किसी दूसरी पार्टी का पोलिंग एजेंट नहीं बनेगा। ना बसपा का और ना ही कांग्रेस का पोलिंग एजेंट बनेगा। वोटिंग के दिन वीरेंद्र शर्मा कांग्रेस पार्टी के मतदान अभिकर्ता बने। वे सुबह से शाम तक मतदान केंद्र पर रहे। उन पर भाजपा विधायक के पिता से शराब के लिए पैसे मांगने, और गोली चलाने का मुकदमा दर्ज कर दिया गया। डॉ. गोविंद सिंह ने कहा- बाद में जब सरकार बन गई तो 307 के केस में बदल दिया गया। कांग्रेस के पोलिंग एजेंट वीरेंद्र शर्मा को पुलिस ने जब गिरफ्तार कर लिया। उनके बेटे दीपक को भागना पड़ा। जबकि हकीकत यह है कि इनके खानदान में कभी किसी ने शराब नहीं पी। उसके ऊपर शराब के लिए पैसे मांगने का फर्जी केस दर्ज किया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वीरेंद्र शर्मा (पीड़ित कांग्रेस कार्यकर्ता), पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, मीडिया विभाग अध्यक्ष मुकेश नायक और पूर्व उप नेता प्रतिपक्ष चौधरी राकेश सिंह चतुर्वेदी।

टीआई रविंद्र शर्मा ने कांग्रेस कार्यकर्ता को किया प्रताड़ित

डॉ. गोविंद सिंह ने कहा- थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा ने कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया है। भिंड एसपी असित यादव भाजपा के नौकर बनकर काम कर रहे हैं। हर चौथे दिन कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर फर्जी केस दर्ज किए जा रहे हैं। लगातार आठ-दस घटनाएं हाल ही में घटी हैं।

जीतू पटवारी के नेतृत्व में भिंड एसपी ऑफिस घेरेंगे

डॉ.गोविंद सिंह ने कहा- कांग्रेस पार्टी जल्द ही जीतू पटवारी के नेतृत्व में भिंड के एसपी कार्यालय का घेराव करेंगे। भिंड एसपी ने जिले के थाना प्रभारियों को यह कहा है कि गोविंद सिंह का फोन मत उठाना। मैंने एसपी को फोन किए, वो सुनने को तैयार नहीं। डीजीपी को फोन किए, मगर रिसीव नहीं करते। मिलने का समय मांगा लेकिन, टाइम नहीं देते। आवेदन दिए मगर, कोई कार्रवाई नहीं की गई। यहां तक कि मुख्यमंत्री जी से मिलने के लिए कई बार नोट कराया मगर आज तक समय नहीं दिया गया।

विधायक ने कहा था- दूसरी पार्टी का पोलिंग एजेंट नहीं बैठेगा: कांग्रेस कार्यकर्ता दीपक शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- मेरे पिताजी एजेंट बने तो विधायक गुड्डू शर्मा ने कहा कोई एजेंट नहीं बनेगा। पिता वीरेंद्र शर्मा एजेंट बने तो विधायक जी ने पोलिंग के अंदर मारा और 307 लगाकर जेल भिजवा दिया।

4 मिनट में 3.5 किमी दूर पहुंचाया लिवर

- भोपाल में बनाए 2 ग्रीन कॉरिडोर; 13 मिनट में 17 किमी पहुंचाई किडनी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक ब्रेन डेड पेशेंट का लिवर और किडनी डोनेट करने के लिए बुधवार को 2 ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए। सागर के रहने वाले महेश नामदेव (53) को ब्रेन हेम्ब्रेज के ट्रीटमेंट के लिए 5 दिन पहले सिद्धांता रेडक्रॉस हॉस्पिटल लाया गया था। इलाज के दौरान ब्रेन में ज्यादा ब्लीडिंग होने से वे कोमा में चले गए। मंगलवार को ब्रेन डेड हो गए। इसके बाद परिजनों ने उनका लिवर और किडनी डोनेट करने का फैसला किया।

लिवर बंसल हॉस्पिटल और किडनी चिरायु हॉस्पिटल ट्रांसप्लांट के लिए ले जाई गई। एडिशनल डीसीपी ट्रैफिक बंसत कौल ने बताया- बंसल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स की पहली टीम दोपहर करीब 2.30 बजे लिवर लेकर सिद्धांता हॉस्पिटल से रवाना हुई। चार मिनट में 3.5 किमी का सफर तय कर लिया गया। दूसरी टीम 2.35 बजे किडनी लेकर चिरायु मेडिकल कॉलेज के लिए निकली। 17 किमी की दूरी 13 मिनट में तय की गई। किडनी का ट्रांसप्लांट सिद्धांता हॉस्पिटल में ही एक मरीज को किया जाना है। दोनों टीम के रवाना होने के करीब 10 मिनट के बाद महेश नामदेव की पार्थिव देह उनके परिजनों को सौंप दी गई। परिजन शव लेकर सागर के लिए रवाना हो गए।

हार्ट अटैक से ठीक हुए, ब्रेन हेम्ब्रेज से ब्रेन डेड हुए महेश: सिद्धांता रेडक्रास हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सुबोध वार्ष्णेय ने बताया कि सागर के रहने वाले 53 वर्षीय महेश नामदेव हार्ट अटैक से ठीक हो गए थे।

मामा से फोन पर कहासुनी, बदले में भांजे की हत्या

हमलावरों ने सिर और छाती में सब्बल-डंडे मारे; खंडवा के गांव में तनाव

खंडवा (नप्र)। खंडवा में 16 साल के लड़के की हत्या कर दी गई। हमलावरों ने उसके सिर और छाती में सब्बल और डंडों से मारा। बुधवार को घटना के चौथे दिन किशोर की मौत हो गई। वह इंदौर में भर्ती था। किशोर की मौत की खबर लगते ही पलासी गांव में तनाव फैल गया। गांव में पुलिस तैनात करना पड़ी है। मारपीट का आरोप गांव के शंकर गुर्जर और उसके दो दामाद पर है। धनगांव थाने की पुलिस ने तीनों को हिरासत में ले लिया है। किशोर का शव आज शाम तक इंदौर से उसके गांव पलासी पहुंचेगा। मामला 15 जून की शाम का है। पलासी गांव के शंकर गुर्जर और हेमू गुर्जर के बीच फोन पर बात करते हुए कहासुनी हो गई थी। शंकर ने अपने रिश्तेदारों को बुला लिया। उसके दो दामाद- पोखर निवासी प्रवीण गुर्जर और बंझर निवासी विशाल गुर्जर भी आ गए। सभी ने एकराय होकर हेमू के घर धावा बोला। उनके हाथ में मोटा लट्ठ (बैलगाड़ी का खरालिया) और सब्बल थी। हेमू के घर के बाहर उसका भांजा अंकित खड़ा हुआ था। आरोपियों ने अंकित पर ही हमला कर दिया।

लोग बचाने आए, हमलावरों ने उन्हें धमका दिया: घर की महिलाओं ने शोर मचाया तो गांव वाले इकट्ठा हो गए। लेकिन, हमलावरों ने उन्हें धमका दिया कि जो भी बचाने आएगा, वे उसे भी मार डालेंगे। उन्होंने अंकित के सिर और छाती पर सब्बल से वार किए। उसका सिर फोड़ दिया। गांव में काफी देर तक आतंक मचाया और निकल गए। महिलाओं ने डायल 100 को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल अंकित को धनगांव अस्पताल में दिखाया। यहां से खंडवा लाए और फिर इंदौर रेफर कर दिया गया। वह इंदौर के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती था।

जबलपुर समेत 22 जिलों में आज आंधी-बारिश

रायसेन में नदी में जेसीबी समेत दूसरी मशीनें डूबीं; ग्वालियर-दतिया में तेज गर्मी का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में प्री-मानसून खूब बरस रहा है। बुधवार तड़के भोपाल समेत कई जिलों में बारिश हुई। रायसेन में कोड़ी नदी में तेज पानी आने के कारण फोरलेन के काम में लगी जेसीबी सहित दूसरी मशीनें डूब गईं। इन मशीनों को पानी से निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। फोरलेन रोड विदिशा से मेहगांव होते हुए रायसेन के बारला तक बनाया जा रहा है। जबलपुर, छिंदवाड़ा समेत 22 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। मौसम विभाग, भोपाल के वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि मानसून महाराष्ट्र में स्थिर है। अगले 2 से 3 दिन में यह आगे बढ़ सकता है। इसके बाद ही मध्यप्रदेश में एंटर होगा। फिलहाल, वेस्टर्न डिस्टबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से मध्यप्रदेश के ज्यादातर हिस्से में आंधी, बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी हुई है। बालाघाट, शहडोल-अनूपपुर में आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट- मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में कई जिलों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि हो सकती है। सकती है।

भोपाल में बारिश, रात का टेम्प्रेचर 3.6 डिग्री लुढ़का

प्री-मानसून के एक्टिव होने से भोपाल में तेज हवा और बारिश का दौर जारी है। रात में रुक-रुककर बारिश हुई। 24 घंटे में आधा इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। वहीं, रात के टेम्प्रेचर में 3.6 डिग्री की गिरावट हुई है। मंगलवार-बुधवार की रात न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन तक आंधी, बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। बता दें कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम का असर भोपाल में भी देखने को मिल रहा है। बुधवार सुबह करोंद, बैरसिया की तरफ बूंदाबांदी हुई।